Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 170 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, बुधवार 25 दिसम्बर 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

जो उत्पन्न हो रहा है उसका वितरण ठीक-ठाक होना चाहिये, उसमें देश सदा सुख शांति अनुभव करेगा।

Whatever is being produced must be distributed in a fair and equalitarian way so that the country will experience and happiness.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ में कैबिनेट विस्तार को लेकर दिल्ली में हुई बीजेपी की बैठक

रायपुर (विसं)। आज नई दिल्ली स्थित छत्तीसगढ़ सदन में भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। चर्चा इस बात की भी है कि बैठक में नए मंत्रियों के नामों पर मुहर लगाया जाएगा। मगर बीजेपी की रीति-नीति को जानने वालों का कहना है कि इस तरह के फैसले ऐसी मीटिंगों में नहीं होते। बहरहाल, छत्तीसगढ़ सदन में हुई इस बैठक में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री अरुण साव और विजय शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष किरण देव सहित पार्टी के अन्य प्रमुख पदाधिकारियों ने भाग लिया।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत 5 दिवसीय दौरे पर आएंगे रायपुर

रायपुर (विसं)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को अगले साल यानी 2025 में 100 वर्ष पूरे होने पर देशभर में कार्यक्रम होंगे. आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत 5 दिवसीय दौरे पर रायपुर आएंगे. यहां वे शताबदी वर्ष में किस तरह का आयोजन होंगे, इसे लेकर चर्चा करेंगे. 27 से 31 दिसंबर तक भागवत रायपुर में रहेंगे. इस दौरान वे अलग-अलग सत्र में कार्यकर्ताओं और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संगठन को मजबूत करने पर चर्चा करेंगे. शताब्दी वर्ष में आरएसएस का बड़ा फोकस पंच परिवर्तन पर है.

प्रधानमंत्री मोदी आज केन-बेतवा नदी जोड़ो राष्ट्रीय परियोजना की रखेंगे आधारशिला

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 दिसंबर को मध्य प्रदेश आएंगे। दोपहर करीब 12:30 बजे पीएम मोदी खजुराहो में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे।

इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी केन-बेतवा नदी जोड़ो राष्ट्रीय परियोजना की आधारशिला रखेंगे। यह राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना यानी एनपीपी के तहत देश की पहली नदी जोड़ो परियोजना है। इस परियोजना से मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के कई जिलों में सिंचाई की सुविधा मिलेगी, जिससे लाखों किसान परिवारों को लाभ मिलेगा। इस परियोजना से क्षेत्र के लोगों को पीने के पानी की सुविधा भी मिलेगी। इसके साथ ही जलविद्युत परियोजनाएं हरित ऊर्जा में 100 मेगावाट से अधिक का योगदान देंगी। इस परियोजना से रोजगार के कई अवसर पैदा होंगे और ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी।

प्रधानमंत्री मोदी अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती के अवसर पर एक स्मारक डाक टिकट और सिक्का जारी करेंगे। इसके साथ वह 1153 अटल ग्राम सुशासन भवनों की आधारशिला भी रखेंगे। ये भवन स्थानीय स्तर पर सुशासन के लिए ग्राम पंचायतों के कार्य और जिम्मेदारियों के व्यावहारिक संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

ऊर्जा की आत्मनिर्भरता और हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप प्रधानमंत्री मोदी मध्य प्रदेश के खंडवा जिले के ओंकारेश्वर में स्थापित ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सोलर परियोजना का उद्घाटन करेंगे।

यह परियोजना कार्बन उत्सर्जन को कम करेगी और 2070 तक शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन के सरकार के मिशन में योगदान देगी। यह जल वाष्पीकरण को कम करके जल संरक्षण में भी मदद करेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन को लेकर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सोमवार को कहा कि पीएम मोदी केन-बेतवा लिंक परियोजना की सौगात देने मध्य प्रदेश पधार रहे हैं। प्रदेश में नदी जोड़ो अभियान बड़े स्वरूप में आकार लेगा। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती पर प्रदेश को मिल रही इस सौगात से सागर, दतिया सहित सम्पर्ण बुंदेलखण्ड को पर्याप्त सिंचाई और पेयजल सुविधा उपलब्ध होगी।

केन-बेतवा नदी जोड़ो राष्ट्रीय परियोजना से मध्य प्रदेश के छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, पन्ना, दमोह, विदिशा, सागर, शिवपुरी, दतिया और रायसेन जिले को लाभ मिलेगा। वहीं, उत्तर प्रदेश के महोबा, बांदा, झांसी और ललितपुर जिले की जनता लाभान्वित होगी।

तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने प्रधानमंत्री मोदी से की मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। नवंबर की शुरुआत में राज्यपाल आरएन रवि ने माना था कि विशेष बच्चों में बहुत सारी क्षमताएं और गुण होते हैं, लेकिन दुर्भाग्य से समाज और सरकारें, केंद्र और राज्य दोनों, उनकी जरूरतों के प्रति पर्याप्त रूप से संवेदनशील नहीं हैं। गवर्नर थिंक टू डेयरः यंग अचीवर्स के साथ बातचीत की 17वीं श्रृंखला में बोलते हुए राज्यपाल रवि ने कहा कि मैं सबसे पहले यहां मौजूद सभी युवा अचीवर्स को बधाई देता हूं। मुझे आपको सम्मानित करते हुए बहुत खुशी हुई और मैं माता-पिता को बधाई देता हूं।

जैन मंदिर लाभांडी की चोरी का हुआ खुलासा, सम्पूर्ण सामग्री बरामद, मंदिर का सेवक ही निकला चोर

रायपुर पुलिस की तत्परता एवं सक्रियता से पकड़े गए चोर

रायपुर (विश्व परिवार)। श्री पदमप्रभु दिगंबर जैन मंदिर लाभांडी रायपुर से चोरों द्वारा मंदिर के दरवाजे के ताले काटकर मंदिर में भगवान के चांदी के छत्र एवं चांदी के पूजा उपकरण की बड़ी चोरी को अंजाम दिया गया था। पुलिस की तत्परता एवं सक्रियता से चोरों को दबोच लिया गया है एवं चोरी की गई पूर्ण सामग्री यथावत बरामद कर ली गई है।

उल्लेखनीय है कि शनिवार 21 दिसंबर रात्रि 1:30 बजे चोरों ने मंदिर के ताले काटकर चांदी के पूजा उपकरण भगवान के छत्र सोने चांदी के कलश आदि की चोरी की थी। चोरों ने सीसीटीवी कैमरे के सारे कनेक्शन भी काट दिए थे। चोरी के बाद सुबह से ही पुलिस ने सक्रियता से चोरी को पकड़ने में अपनी भूमिका निभाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय डॉक्टर लाल उमेन्द सिंह द्वारा मामले को गंभीरता से लेते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर श्री लखन पटले, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक क्राईम श्री संदीप मित्तल, नगर पुलिस अधीक्षक सिविल लाईन श्री अजय कुमार, प्रभारी एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना प्रभारी तेलीबांधा को अज्ञात आरोपी को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने हेतु निर्देशित किया गया। जिसको तत्काल प्रभाव से जानकारी में लेते हुई उक्त पुलिस अधिकारियो ने मामले की तफ्तीश करते हुए आरोपियों को पकड़ कर उनसे सच उगलवाया एवं चोरी का खुलासा किया। पता चला है कि पूर्ण सामग्री यथावत बरामद कर ली गई है। इस चोरी में मंदिर के माली सुदीप के होने का खुलासा किया गया है जिसने चोरी के एक दिन पूर्व बाहर जाने का स्वांग रचा था और परिजनों के साथ मिलकर चोरी को अंजाम दिया। चोरी गया माल भोपाल से बरामद कर रायपुर लाया जा चुका है। इस चोरी के खुलासे से जैन समाज में सर्वत्र खुशी की लहर है। मंदिर के प्रमुख श्री विनोद बड़जात्या ने चोरी के खुलासे पर हार्दिक संतोष व्यक्त करते हुए छत्तीसगढ़ सरकार एवं पुलिस प्रशासन को अपना धन्यवाद व्यक्त कर उनका आभार प्रदर्शित किया।

चोरों से बरामद की गई सामग्री

कार्यवाही में निरीक्षक विनय सिंह बघेल थाना प्रभारी तेलीबांधा, एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट से प्रभारी निरीक्षक परेश पाण्डेय, सउनि अतुलेश राय, प्र.आर. प्रमोद वर्ठी, म.प्र.आर. बसंती मौर्या, आर. केशव सिन्हा, दिलीप जांगड़े, बोधन मिश्रा, विक्रम वर्मा, राजेन्द्र तिवारी, नितेश राजपूत तथा थाना तेलीबांधा से सउनि संतोष यादव, प्र.आर. अमित सिन्हा, रामनारायण पटेल तथा आर. सुनील चंदेल एवं प्रमोद चंद्रा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

गिरफ्तार आरोपी- (1) सुदीप माली पिता सुरेश माली उम्र 27 साल निवासी सेमरा चांदबड़ थाना बाजरिया भोपाल मध्यप्रदेश। (2) सागर माली पिता सुरेश माली उम्र 25 साल निवासी सेमरा चांदबड़ थाना बाजरिया भोपाल मध्यप्रदेश। (3) सुषमा माली पति सुरेश माली उम्र 48 साल निवासी सेमरा चांदबड़ थाना बाजरिया भोपाल मध्यप्रदेश।

अटल जी की कार्यशैली और निर्णयों की पूरी दुनिया कायल थी : राजनाथ सिंह

लखनऊ (एजेंसी)। भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित अटल युवा महाकुंभ के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अटल जी के अद्वितीय व्यक्तित्व और उनके साथ जुड़ी स्मृतियों को साझा किया। इस अवसर पर उन्होंने अटल जी की महानता का स्मरण करते हुए प्रदेश के विकास में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि अटल जी का जीवन और विचारधारा आज भी प्रेरणा के स्रोत हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि अटल जी का व्यक्तित्व इतना विराट था कि उनकी कार्यशैली और निर्णयों की पूरी दुनिया कायल थी। लखनऊ अटल जी के दिल में बसता था और यहां के लोग उन्हें उतनी ही गहराई से जानते और समझते थे। उन्होंने अटल जी के जीवन के अनेक प्रसंगों को याद करते हुए उनकी हाजिर जवाबी और सहजता का जिक्र किया। रक्षा मंत्री ने पाकिस्तान दौरे के दौरान अटल जी के चर्चित जवाब को याद करते हुए कहा कि एक महिला पत्रकार ने जब उनसे कहा कि मैं आपसे शादी करना चाहती हूं, बशर्ते आप मुझे मुंह दिखाई में कश्मीर दें, तो अटल जी ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, मैं तैयार हूं, अगर आप दहेज में पूरा पाकिस्तान दें। इस जवाब ने उनकी चतुराई और सहजता को पूरी दुनिया के सामने प्रस्तुत किया।

रक्षा मंत्री ने अटल जी के साथ अपने व्यक्तिगत अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि मुझे उनके साथ एक अभिभावक का स्नेह और मंत्रिमंडल में सहकर्मी के रूप में काम करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उनकी सरकार जब एक वोट से गिरी, तब उनके ऐतिहासिक भाषण ने लोकतंत्र और देशप्रेम की नई परिभाषा गढ़ी। उन्होंने कहा था, %सरकारें आएंगी-जाएंगी, पार्टियां बनेंगी-बिगड़ेंगी, लेकिन यह देश और इसका लोकतंत्र अमर रहना चाहिए।% यह उनकी दूरदर्शिता और सिद्धांतवाद का प्रमाण था। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा अटल जी के जीवन पर प्रस्तुत की गई झांकियों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रक्षा मंत्री ने भरपूर सराहना की। उन्होंने इसे नई पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि अटल जी के विचार और योगदान आज भी युवाओं के लिए पथ प्रदर्शक हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहाकि आज उत्तर प्रदेश विकास के हर पैमाने पर देश के अन्य राज्यों से आगे खड़ा है। सीएम योगी के कुशल नेतृत्व और अथक प्रयासों ने यूपी को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। यह प्रदेश अटल जी के सपनों का साकार रूप बनता जा रहा है।

अटल जी के सपनों को पूरा करने की दिशा में राज्य सरकार तेजी से काम कर रही : मुख्यमंत्री साय

विष्णुदेव साय ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्री वाजपेयी के जन्मदिन पर उन्हें किया नमन

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी के 25 दिसंबर को जन्मदिन पर उन्हें नमन किया है। उन्होंने कहा कि 25 दिसंबर को छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता भारतरत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की जन्मशती है। अटल जी का छत्तीसगढ़ से और छत्तीसगढ़ के लोगों से हमेशा आत्मीय लगाव रहा है। उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण में अटल जी की भूमिका को याद करते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी बाजपेयी जी ने छत्तीसगढ़वासियों की भावनाओं का सम्मान करते हुए छत्तीसगढ़ के विकास और यहां के लोगों की समृद्धि के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ राज्य का गठन किया। अटल जी के सपनों को पूरा करने की दिशा में राज्य सरकार बड़ी तेजी से काम कर रही है। छत्तीसगढ़ अपनी स्थापना के 25 वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। हमने अटल जी की स्मृति में इस रजत जयंती वर्ष को अटल निर्माण वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय लिया है जिसके अंतर्गत राज्य में अधोसंरचना विकास के कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि अटल जी कुशल राजनीतिज्ञ होने के साथ एक ओजस्वी वक्ता और कवि हृदय सरल व्यक्तित्व थे। अटल जी की याद में उनका जन्मदिन 'सुशासन दिवस' के रूप में मनाया जाता है। अटल जी का सपना था- एक सशक्त, समृद्ध और खुशहाल भारत। उसी सपने को साकार करते हुए छत्तीसगढ़ आज शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत संरचना और सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रहा है। सुशासन दिवस के अवसर पर हम सभी को अटल जी के दिखाए रास्तों पर चलकर विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में अपना योगदान देकर अटल जी के स्वर्णिम भारत के स्वप्न को पूर्ण करने में सहभागी बनने के लिए दृढ़संकल्पित होना चाहिए।

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी की 100वीं जयंती पर सभी नगरीय निकायों में अटल परिसर का होगा भूमिपूजन

- मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जशपुर में करेंगे भूमिपूजन, सभी नगरीय निकाय वर्चुअली जुड़ेंगे
- प्रदेश के 187 नगरीय निकायों में बनेंगे अटल परिसर
- उप मुख्यमंत्री साव बिल्हा में निर्मित अटल परिसर का करेंगे लोकार्पण

रायपुर (विश्व परिवार)। देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्वर्गीय श्री अटल बिहारी बाजपेयी की 100वीं जयंती पर 25 दिसम्बर को राज्य के सभी नगरीय निकायों में अटल परिसर के निर्माण के लिए भूमिपूजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जशपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में इसका भूमिपूजन करेंगे। वहीं उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव बिल्हा नगर पंचायत में निर्मित अटल परिसर का लोकार्पण करेंगे। प्रदेश के सभी नगरीय निकाय इन दोनों कार्यक्रमों से वर्चुअली जुड़ेंगे।

पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी बाजपेयी की स्मृतियों और उनके उल्लेखनीय कार्यों को सहेजने के लिए राज्य के सभी 187 नगरीय निकायों में अटल परिसर का निर्माण किया जा रहा है। इनमें 14 नगर निगम, 50 नगर पालिका तथा 123 नगर पंचायत शामिल हैं। अटल परिसर के निर्माण के लिए प्रत्येक नगर निगम को 50 लाख रुपए, नगर पालिका को 30 लाख रुपए और नगर पंचायत को 20 लाख रुपए का अनुदान दिया जाएगा। नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा इसके लिए सभी निकायों को कुल 46 करोड़ 60 लाख रुपए की अनुदान राशि जारी की जाएगी।

छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी बाजपेयी की स्मृतियों को सहेजने तथा भारत के चहुंमुखी विकास के लिए उनके द्वारा प्रारंभ की गई योजनाओं की जानकारी प्रदान करने राज्य के सभी नगरीय निकायों में अटल परिसर का निर्माण किया जा रहा है। देश को आगे बढ़ाने और सुव्यवस्थित विकास में उनके योगदान को रेखांकित करने 25 दिसम्बर को उनका जन्मदिन पूरे राज्य में सुशासन दिवस के रूप में मनाया जाता है।

राज्यपाल ने श्री बाजपेयी को किया नमन : राज्यपाल रमेन डेका ने पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्व. श्री अटल बिहारी बाजपेयी जी के जन्मदिवस पर उन्हें नमन किया है। राज्यपाल ने कहा है कि श्री बाजपेयी जी एक महान राजनेता, महान वक्ता, लेखक व बहुमुखी प्रतिभा के धनी होने के साथ-साथ एक जननायक थे।

दिल्ली के पांडव नगर डीडीए फ्लैट से 24 घंटे साफ पानी की सप्लाई शुरू, केजरीवाल ने नल से पिया पानी

नई दिल्ली (आरएनएस)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी और अन्य नेताओं के साथ मंगलवार को पांडव नगर डीडीए फ्लैट से 24 घंटे दिल्ली में पानी की शुरुआत की है। अरविंद केजरीवाल ने एक घर से नल खोलकर उससे सीधे पानी पीकर यह दिखाया कि साफ और मीठा पानी यहां पर अब 24 घंटे सप्लाई किया जाएगा और यही आने वाले कुछ सालों में पूरी दिल्ली के एक-एक इलाके में किया जाएगा।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आज मैं दिल्ली के ढाई करोड़ निवासियों को बहुत-बहुत बधाई देना चाहता हूं, आज बहुत बड़ा दिन है। हम सब लोगों का सपना था कि दिल्ली में 24 घंटे नल से साफ पानी आना चाहिए, चाहे तीसरी मंजिल से चौथी मंजिल बिना पंप के। तो आज दिल्ली के अंदर राजेंद्र नगर विधानसभा के डीडीए फ्लैट्स पांडव नगर से इस बहुत बड़े सपने की शुरुआत हो रही है। आज इस कॉलोनी में 24 घंटे साफ पानी आना शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि मैं अभी कुछ घरों से होकर आ रहा हूं और उन घरों से सीधा नल से मैंने पानी पिया, वो भी सभी कैमरों के सामने।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राष्ट्रीय वनवासी क्रीड़ा प्रतियोगिता के पोस्टर का किया विमोचन

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मुख्यमंत्री निवास रायपुर में अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम द्वारा आयोजित होने वाले 24वें राष्ट्रीय वनवासी क्रीड़ा प्रतियोगिता के पोस्टर का विमोचन किया। उन्होंने आयोजकों को इस महत्वपूर्ण आयोजन के लिए अपनी शुभकामनाएं दी और उन्होंने कहा कि एक पुनीत उद्देश्य के साथ यह प्रतियोगिता आयोजित हो रही है और इससे वनवासी युवाओं की प्रतिभा को प्रोत्साहन मिलेगा। राष्ट्रीय वनवासी क्रीडा प्रतियोगिता का आयोजन 27 से 31 दिसंबर 2024 तक राजधानी रायपुर में किया जा रहा है। प्रतियोगिता का शुभारंभ 28 दिसंबर को साइंस कॉलेज मैदान में होगा, जिसमें अण्डमान, मणिपुर, पंजाब सहित देश भर के विभिन्न प्रांतों और पड़ोसी देश नेपाल से लगभग 800 खिलाड़ी प्रतियोगिता में भाग लेने राजधानी पहुंच रहे हैं। प्रतियोगिता में खिलाड़ी फुटबॉल और तीरंदाजी में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इस अवसर पर वन मंत्री और प्रतियोगिता के स्वागत समिति के अध्यक्ष केदार कश्यप, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल आदि उपस्थित थे।

सागर मल्टी स्पेशियालिटी हॉस्पिटल

खम्हारडीह रोड, भावना नगर चौक, शंकर नगर, रायपुर

उपलब्ध सुविधाएं

● अत्याधुनिक ऑपरेशन थियेटर ● गैस्ट्रो एवं लेप्रोस्कोपी सर्जरी ● एण्डास्कोपी सर्जरी ● आर्थो (अस्थि रोग) सर्जरी ● यूरो सर्जरी ● प्लॉस्टिक सर्जरी ● सीजेरियन डिलीवरी ● नार्मल डिलीवरी ● सभी प्रकार के स्त्री रोग ● नेफ्रोलॉजी ● पलमोनोलॉजी ● पैथोलॉजी ● ई.सी.जी. ● आई.सी.यू. ● 24 घंटे आपात चिकित्सा ● 24 घंटे एम्बुलेंस सेवा...

ओडिशा सरकार द्वारा परिचालित बीजु स्वस्थ्य कल्याण योजना कार्ड एवं आयुष्मान कार्ड में सम्पूर्ण ईलाज मुफ्त में किया जाता है।

Mo. 9589632123, 9589732123, 0771-4072123

संक्षिप्त समाचार

राज्यपाल रमेन डेका ने क्रिसमस के अवसर पर दी शुभकामनाएं

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने प्रभु यीशु के जन्मदिन क्रिसमस के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। राज्यपाल रमेन डेका ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि प्रभु यीशु मसीह ने समाज को प्रेम, करूणा, क्षमा एवं समानता का संदेश दिया। उन्होंने मानव सेवा और उनके कल्याण में अपना सारा जीवन समर्पित किया तथा गरीबों एवं जरूरतमंदों की सेवा करने एवं आपसी भाईचारे के साथ रहने की सीख दी। श्री डेका ने कहा कि प्रभु यीशु के संदेश हमेशा समाज के लिए प्रेरक एवं अनुकरणीय रहेंगे।

शहर में चल रहे सड़क डामरीकरण का आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने किया निरीक्षण

रायपुर (आरएनएस)। आज नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने मुख्य अभियंता यू. के. धलेन्द्र, कार्यपालन अभियंता अंशुल शर्मा की उपस्थिति में 15 वें वित्त आयोग मद के अंतर्गत जारी सड़क डामरीकरण के नए विकास कार्य की प्रगति का प्रत्यक्ष निरीक्षण राजधानी शहर में नगर घड़ी गुरू घासीदास टाइम स्क्वायर के सामने एवं नगर निगम मुख्यालय भवन महात्मा गाँधी सदन के बाजू में सड़क मार्ग में पहुंचकर किया. आयुक्त ने कार्य को सतत मॉनिटरिंग कर गुणवत्ता सहित जनहित में जनसुविधा विस्तार की दृष्टि से शीघ्र पूर्ण करवाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए. आयुक्त ने नगर निगम रायपुर की ओर से अपील की कि नए सड़क डामरीकरण कार्य वाले मार्गो में अपनी कार, बाइक, गाड़ी आदि को ना धोयें, कारण कि ऐसा करने पर सड़क डामरीकरण कार्य पर विपरीत प्रभाव पड़ता है, जिससे नागरिकों को असुविधा होती है. आयुक्त ने चौबे कॉलोनी के करबला तालाब के किनारे समाज हित में पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से प्रस्तावित गार्डन के विकास एवं सौंदर्यीकरण योजना के स्थल को देखा. इस हेतु नगर निगम रायपुर द्वारा निविदा बुलवाई गयी है. निविदा प्रक्रिया पूरी होने के पश्चात गार्डन का कार्य प्राथमिकता से प्रारम्भ करवाने की तैयारी के निर्देश दिए गए हैं।

आपात स्थिति से निपटने की तैयारी : सुरक्षा के लिए आंबेडकर अस्पताल में बंदूकधारी

रायपुर (आरएनएस)। सुरक्षा को पुख्ता करने आंबेडकर अस्पतालमें पुलिस कर्मियों की संख्या बढ़ाने के प्रस्ताव पर अब तक काम पूरा नहीं हुआ है। इधर सशस्त्र बल के लिए ठेका एजेंसी ने बंदूकधारी जवान मुहैया कराया है। मेडिकल कालेज और आंबेडकर अस्पताल के लिए आधा दर्जन सशस्त्र जवानों की ड्यूटी लगाई गई है। अभी रात की पाली में तैनाती की जा रही है और संख्या बढ़ने पर दिन में भी सशस्त्र जवान नजर आएंगे। कोलकाता के आरजी कर कालेज में हुई घटना के बाद शासकीय मेडिकल कालेज रायपुर में भी सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने की आवश्यकता महसूस की गई थी। इसके लिए स्वास्थ्य मंत्री द्वारा चौकी में मौजूद पुलिस बल और सशस्त्र जवानों की तैनाती के निर्देश दिए थे। सितंबर में जारी इस आदेश के बाद अस्पताल प्रबंधन द्वारा पुलिस विभाग को दर्जनभर जवानों की संख्या बढ़ाने के लिए प्रस्ताव भेजा गया था। इस पर अब तक किसी तरह की कार्यवाही नहीं की गई है। वहीं सशस्त्र जवानों की संख्या बढ़ाने के लिए अस्पताल की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने वाली कंपनी सीएमएस को निर्देशित किया था। करीब तीन महीने बाद बंदूकधारी जवानों की तैनाती का काम शुरू कर दिया गया है। शुरुआती दौर में आधा दर्जन रायफल धारी जवानों को तैनात किया गया है, जिसमें से तीन मेडिकल कालेज और तीन अस्पताल की तरफ ड्यूटी कर रहे हैं। आने वाले दिनों में इतने ही जवान और बुलाए जाएंगे, जिसके बाद उन्हें रात के साथ दिन में भी ड्यूटी पर लगाया जाएगा।

लोन लेने के लिए ITR बनवायें मात्र 500/- में
शेखर गुप्ता ONLYTDS.COM
ITR GST
हमारे TAX Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
G.S.T. रिटर्न | Food Licence
इन्कम TAX फाईल | M.S.M.E. रजिस्ट्रेशन
TDS रिफंड | प्रोजेक्ट रिपोर्ट
IT नोटिस | डिजिटल सिग्नेचर
9300755544, 8878655544

सुशासन दिवस पर होगा विविध कार्यक्रमों का आयोजन, अधिकारियों ने ली निक्षय-निरामय छत्तीसगढ़ की शपथ

कलेक्टर दीपक सोनी ने की विभागीय कार्यों की समीक्षा

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री दीपक सोनी ने मंगलवार को संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक में विभागीय कार्यो की समीक्षा की।उन्होंने राज्य शासन के निर्देशानुसार सुशासन दिवस के अवसर पर 25 दिसम्बर 2024 को जिले में विविध कार्यक्रमों का गरिमामय आयोजन के निर्देश दिए। सुशासन दिवस अंतर्गत सभी नगरीय निकायों में अटल परिसर निर्माण हेतु भूमिपूजन कार्यक्रम, खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा सद्भावना दौड़, सफाई अभियान आदि कार्यक्रम होंगे। सद्भावना दौड़ का आयोजन प्रातः 6 बजे से गार्डन चौक बलौदाबाजार में होगा।कलेक्टर श्री सोनी ने सभी कार्यक्रमों के गरिमामय आयोजन के लिए अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी। इस दौरान उन्होंने छत्तीसगढ़ को टी.बी., कुष्ठ एवं मलेरिया मुक्त बनाने पूरा योगदान करने अधिकारियों -कर्मचारियों को निक्षय- निरामय छत्तीसगढ़ की शपथ दिलाई।

कलेक्टर ने आगामी नगरीय निकाय एवं पंचायत चुनाव सहित त्यौहार एवं सामान्य दिवस में भी क़ानून व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश सभी एसडीएम एवं तहसीलदार को दिए। उन्होंने कहा कि सभी अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहें और किसी प्रकार की विवाद या मामला के बढ़ने से पहले ही उसका निराकण कर लिया जाए। उन्होंने शासन के निर्देशानुसार जनपद पंचायत एवं ग्राम पंचायत में पंचायत प्रतिनिधियों के आरक्षण की कार्यवाही निर्धारित समय -सीमा में पारदर्शिता एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के भी निर्देश दिए। उन्होंने स्वामित्व योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में संपत्ति के मालिकों को कानूनी कार्ड देने हेतु लक्ष्य के अनुसार शेष संपत्ति का सत्यापन शीघ्र कराने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने सीपीग्राम, पीजीएन, मुख्यमंत्री जनदर्शन, ई -समाधान, कलेक्टर जानदर्शन अंतर्गत प्राप्त प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण करते हुए ऑनलाइन पोर्टल में अपडेट करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना, सहकार से समृद्धि, प्रधानमंत्री विश्कर्मा योजना, पीएम जनमन योजना सहित विभिन्न योजनाओं एवं निर्माण कार्यो के प्रगति की विस्तृत समीक्षा की।

बैठक में डीएफओ श्री मयंक अग्रवाल, सीईओ जिला पंचायत सुश्री दिव्या अग्रवाल, अपर कलेक्टर अभिषेक गुप्ता, सुश्री दीप्ति गौते सहित एसडीएम एवं विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

प्रशिक्षण में अनुपस्थित सेक्टर ऑफिसर सहित 180 मतदान कर्मियों को कारण बताओ नोटिस

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। नगर पालिका एवं त्रि-स्तरीय पंचायत आम निर्वाचन-2024-25 हेतु आयोजित प्रथम चरण के प्रशिक्षण में बगैर कोई सूचना के अनुपस्थित सेक्टर अधिकारी सहित 180 मतदानकर्मियों को जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दीपक सोनी के निर्देशानुसार उप जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार अनुपस्थित कुल 15 सेक्टर अधिकारी तथा 165 मतदानकर्मी हैं। मतदानकर्मियों में नगरीय निकाय अंतर्गत 23 तथा जनपद पंचायत अंतर्गत 142 कर्मचारी जिसमें नगर पंचायत कसडोल-3, पलारी-2, रोहांसी-3, लवन-3 एवं नगर पालिका परिषद भाटापारा-12 तथा जनपद पंचायत कसडोल-41, पलारी-01, बलौदाबाजार-59 भाटापारा-28 एवं सिमगा-13 कर्मचारी शामिल है। नोटिस मे कहा गया है कि दिनांक 20 दिसंबर 2024 को सेक्टर अधिकारी एवं 22 दिसम्बर 2024 को मतदानकर्मियों का प्रथम चरण का प्रशिक्षण आयोजित किया गया था जिसकी सूचना पत्र के माध्यम से दी गई थी। सूचना के उपरांत भी प्रशिक्षण में उपस्थित नहीं होना पदेन कर्तव्यों के प्रति घोर अनियमितता बरती गई है।

आज नेहरू नगर तारामण्डल उद्यान में होगा अटल परिसर का भूमिपूजन

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी के स्वर्ण जयंती के अवसर पर 25 दिसम्बर को अटल परिसर का भूमिपूजन नेहरू नगर पूर्व तारामण्डल उद्यान के समीप में किया जाएगा। जिसकी लागत राशि 50 लाख रूपये होगा। बहुत ही आर्कषक लोकेशन पर छत्तीसगढ़ के निर्माता अटल बिहारी वाजपेयी जी की 6 फिट मूर्ति स्थापित की जाएगी। चारो तरफ लैण्डस्केप, सुन्दर फूलो की बागवानी, लाईटिंग, हरियाली आदि सब आर्कषण का केन्द्र होगा।

भूमिपूजन कार्यक्रम नेहरू प्लेनेटेरियम के बगल में अपरान्ह 1 बजे से शुरू होगा। जिसमें प्रमुख रूप से मुख्य अतिथि दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल, अध्यक्षता वैशालीनगर विधायक रिकेश सेन, सह-अध्यक्षता महापौर नीरज पाल नगर पालिक निगम भिलाई, विशिष्ट अतिथि सभापति गिरवर बंटी साहू, नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा, पार्षद एवं जिला अध्यक्ष महेश वर्मा, उपनेता प्रतिपक्ष दया सिंह, अध्यक्ष लोक कर्म विभाग एकांश बंछोर, वार्ड क्रं. 04 पार्षद चंदेश्वरी बांधे, एमआईसी सदस्य, जोन अध्यक्ष, पार्षदगण, जनप्रतिनिधि, सामाजिक संस्थाएं, चेम्बर के सदस्यगण एवं क्षेत्र के नागरिकगणो की उपस्थिति में अटल परिसर का भूमि पूजन किया जाएगा। ओजस्वी वक्ता के राष्ट्रीय भावनाओ एवं सामाजिक दृष्टिकोण से ओत-प्रोत अटल जी के कविताओं का वाचन भी कवियों द्वारा किया जाएगा। आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र के नागरिको से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर छत्तीसगढ़ के निर्माता भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी के स्मृति में अटल परिसर के भूमि पूजन में सहभागीता हेतु अनुरोध किया है।

AUCTION NOTICE — **IndusInd Bank Ltd.**

Bids are invited to Sale below mentioned vehicle as on where is basis, for inspection interested person may contact to respective person on given contact no as below. Through the present notice we hereby once again call upon the borrower & Co-borrower concerned for clear their dues on or before **31.12.2024**, else we shall be constrained to sell off the vehicle and loss if any shall be recovered from them.

Branch Name	Deal no	Customer	Vehicle Model	Reg. No	Chassis No	Engine No	Yard name	Contect Person
MANEN-DRAGH	FRC00621G	RAM MILAN/ RAM KUMAR	MAHINDRA ALFA DX DIESEL BS 6	CG 16CR8170	MA1LE2 NR9P3L24990	S3K 9291256	MAHAMAYA YARD AMBIKAPUR	KARMVEER SINGH,MOB NO. 9644370009
RAIPUR	FRO00796G	SURESH VISHWA-KARMA	TATA INTRA V30NON AC BS VI	CG 04NV5534	MAT535073 NYG31574	1.5CRAIL05 FXXS91568	HI-TECH PARKING BHANPURI	AMARJIT THAKUR,MOB NO.

छत्तीसगढ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, रायपुर
// बिजली बंद की सूचना //

समस्त सम्मानीय उच्चदाब एवं निम्नदाब उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि **तिल्दा एवं खरोरा उपसंभाग** के अंतर्गत आने वाले निम्नलिखित 132 के.व्ही. उपकेन्द्र तुलसी तिल्दा में अतिआवश्यक सुधर कार्य किये जायेगें इस हेतु दिनांक 26.12.2024 को प्रातः 11.00 से दोपहर 02.00 बजे तक विद्युत प्रवाह बंद रहेगा, जिसके कारण उपकेन्द्र से निकलने वाले समस्त फीडर एवं दर्शित क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति अवरूद्ध रहेगी। आवश्यकतानुसार समय में परिवर्तन किया जा सकता है।

क्र.	उपकेन्द्र का नाम	फीडर / सबस्टेशन का नाम	प्रभावित क्षेत्र का नाम
1	132 के.व्ही. तुलसी उपकेन्द्र	33 के.व्ही एच.टी. फीडर	33 के.व्ही. एच.टी. कनेक्शन, अमित चावल, मुनका राइस, के.के. इंडस्ट्रीज, गोयल फूड्स, कैलाश राइस, जे.डी. इंडस्ट्रीज, चैतन्य सालवेक्स, अग्रवाल आइल, इत्यादि समस्त एच.टी. कनेक्शन उपभोक्ता।
2	132 के.व्ही. तुलसी उपकेन्द्र	33 के.व्ही. टोहड़ा फीडर	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र टोहडा एवं कोटा, हिरनी से निकलने वाले समस्त 11 के.व्ही. फीडरों के उपभोक्ता एवं 33 के.व्ही. एच.टी. विद्या राइस मिल, मनीष फूड्स, नटराज, पेशिव इन्फ्रा, जबलपुर हैचरी, ऑर्केस्टेड सिस्टम, इत्यादि।
3	132 के.व्ही. तुलसी उपकेन्द्र	33 के.व्ही ताराशिव फीडर	33/11 के.व्ही. ताराशिव, मुरा उपकेन्द्र से निकलने वाले 11 के.व्ही, फीडर के समस्त उपभोक्ता तथा 33 के.व्ही. इत्यादि।
4	132 के.व्ही. तुलसी उपकेन्द्र	33 के.व्ही जी.एम. आर. फीडर	33/11 के.व्ही. ताराशिव से निकलने वाले समस्त 11 के.व्ही. फीडर के उपभोक्ता तथा 33 के.व्ही. इत्यादि।
5	132 के.व्ही. तुलसी उपकेन्द्र	33 के.व्ही खरोरा फीडर	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र खरोरा से निकलने वाले समस्त 11 के.व्ही. फीडर के उपभोक्ता, तथा 33 के.व्ही. इत्यादि।
6	132 के.व्ही. तुलसी उपकेन्द्र	33 के.व्ही बरतोरी फीडर	33/11 के.व्ही. बरतोरी से निकलने वाले समस्त 11 के.व्ही. फीडर के उपभोक्ता, एच.टी. उपभोक्ता खेतान बिल्डकॉन, रायपुर कनेटनर, प्रोटेक्ट साइन, आर. के. वेयरहाउस, विकास मैटालिक, रामदूत, फेरम ट्यूब, नाकोडा पाईप एवं एल.एल.पी. इत्यादि।

Credible Chhattisgarh
विश्वसनीय छत्तीसगढ़
" विद्युत संबंधित शिकायतें केन्द्रीकृत कॉल सेन्टर के फोन नं0 1912 पर दर्ज कराएँ। "

असुविधा के लिए खेद है

" विद्युत चोरी एक दण्डनीय अपराध हैं कृपया इससे बचे"
"स्वहित एवं राष्ट्र हित में उर्जा बचाइए"

कार्यपालन यंत्री (संचा/संधा) संभाग
छ.ग. स्टे.पॉ. डि. क. लि., रायपुर

SAMVAD

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./16879/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2024
रायपुर, दिनांक 24-12-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 16879
वार्ड का नाम-64-विपिन बिहारी सूर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 64 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR449A00107** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MEHERU NISHAA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LT. MIRZA IQBAL BEG** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **शेख मुस्ताक रिजवी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **सरफराज अहमद** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./16919/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2024
रायपुर, दिनांक 24-12-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 16919
वार्ड का नाम-45-स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 45 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR757C00149** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **PRADEEP KUMAR KAMALA BAI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DEEPCHAND** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. हर्षलता पारख 2. प्रियंका सी 3. प्रचुर पारख** पिता/पति, श्री/श्रीमती **सभी पति / पिता स्व. प्रदीप कुमार पारख** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, टैक्स रसीद, मलमा बिक्रीनामा, परिचय पत्र व अन्य दस्तावेज**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./16881/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2024
रायपुर, दिनांक 24-12-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 16881
वार्ड का नाम-64 - विपिन बिहारी सूर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 64 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR449A00111** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RAJIYA AGA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **AGA KHAN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **रूही अंजुम** पिता/पति, श्री/श्रीमती **मो. शकील** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, टैक्स रसीद, मलमा बिक्रीनामा, परिचय पत्र व अन्य दस्तावेज**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./16488/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 23-12-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 16488
वार्ड का नाम-12- महात्मा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड-12 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR225F00184** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SMT. ASHA JANGHEL W/O LATE LALJI JANGHEL MUKESH KUMAR GIRISH KUMAR, NAVEEN KUMAR JANGHEL S/O LATE LALJI JANGHEL** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O LATE LALJI JANGHEL, MUKESH KUMAR GIRISH KUMAR, NAVEEN KUMAR, JANGHEL, S/O LATE LALJI JANGHEL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **विनय शुक्ला 2 उन्नती शुक्ला** पिता/पति श्री/श्रीमती **पिता स्व. श्री राधा रमण शुक्ला 2 पति विनय शुक्ला** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री विवेकानंद दुबे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /16861/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 24-12-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 16861
वार्ड का नाम- 02 - पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 02 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802J00350** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MILTUS KUJUR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE SIMON KUJUR F** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1 NITA MISHRA W/O PRAMOD KUMAR MISHRA 2 PRAMOD KUMAR MISHRA S/O PADUMNATH MISHRA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **1 NITA MISHRA W/O PRAMOD KUMAR MISHRA 2 PRAMOD KUMAR MISHRA S/O PADUMNATH MISHRA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री आदित्य कुमार हालदार
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /16812/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 24-12-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 16812
वार्ड का नाम- 69 - माधवराव सप्रे सप्रे

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 69 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR568C00345** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MANJEET BUILDCOM/S N DIR. MANJEET SINGH S/O LT. SANTOSH SINGH , SUNNY BINDRA S/O RANJEET SINGH** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MANJEET BUILDCOM/S N DIR. MANJEET SINGH S/O LT. SANTOSH SINGH, SUNNY BINDRA S/O RANJEET SINGH** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **TUSHAR KUMAR PANDEY** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ASHOK KUMAR PANDEY** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री आदित्य कुमार हालदार
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./16795/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 24-12-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 16795
वार्ड का नाम-04- यतियतन लाल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 04 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR105E0038A** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **1) NIRANJAN 2) DEEPAK 3) CHANDA BAI** पिता/पति श्री/श्रीमती **BARIK RAO** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री दीपक मंडिये** पिता/पति श्री/श्रीमती **पिता - स्व. श्री बारिक राव मंडिये** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **बंटवारा नामा एवं शपथ पत्र संलग्न**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./16720/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 23-12-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 16720
वार्ड का नाम-10- रानी लक्ष्मी बाई वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 10 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR227N00200** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **JAHANARA KHAN** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O LAT. FAIZ KHAN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **मोहम्मद शकील सादिक** पिता/पति श्री/श्रीमती **पिता - सादिक अब्दुल मजीद** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री विवेकानंद दुबे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./16830/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 23-12-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 16830
वार्ड का नाम-10- रानी लक्ष्मी बाई वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 10 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR227S00238** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SUSHIL S. BALANI** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O SEVAK RAM BALANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री अनिल बालानी** पिता/पति श्री/श्रीमती **पिता - स्व. श्री एस. आर. बालानी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री विवेकानंद दुबे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./16453/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 23-12-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 16453
वार्ड का नाम-29- गुरू गोविंद सिंह वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 29 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR334B00011** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MR. SA MUJAFFAR ALI** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O SA ZAFAR ALI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्रीमती रोशना परवीन** पिता/पति श्री/श्रीमती **पति - सैय्यद मंजूर अली** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री विवेकानंद दुबे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई, पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./16794/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 23-12-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 16794
वार्ड का नाम-04- यतियतन लाल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 04 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR105E00099** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **Madhav Rao** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O Madan Lal Rao** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MADHAV RAO S/O LT. MADAN MOHAN** पिता/पति श्री/श्रीमती **SAVITRI MANDIYE W/O DEEPAK MANDIYE** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर बुधवार 25 दिसंबर 2024

सामूदायिक रिहन्द रेडियो स्टेशन का शुभारंभ सरगुजा सांसद ने किया

सरगुजिया एवं छत्तीसगढ़ी बोली में हो प्रसारण- चिंतामणि महाराज

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)–भारत सरकार सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की योजना के अनुरुप संस्था सरगुजा ज्ञानोदय एसोसिएशन द्वारा सामूदायिक रेडियो स्टेशन 91.2एफ एम फ्रेडियो रिहन्द की अनुमति प्रदान की, जिसका उद्घाटन सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज द्वारा किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चिंतामणि महाराज ने कहा कि सामूदायिक रेडियो स्टेशन व्यक्ति विशेष, समूह और समूदायों की अपनी विविध कहानियों को कहने और अपने अनुभवों को बांटने की प्रक्रिया को सुगम बनाते हैं। सरगुजिया क्षेत्रिय भाषा का प्रयोग ज्यादा से ज्यादा होने से ग्रामीणों को लाभ होगा। रेडियो रिहन्द भी ग्रामीण समुदायों की अभिरुचियों के तहत् कार्यक्रमों का प्रसारण करेगी, ऐसी मेरी आशा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संस्था के अध्यक्ष विजयराज अग्रवाल ने कहा कि सामूदायिक रेडियो स्टेशन की मुख्य भूमिका बेआवाज जनता को आवाज देना है, अपने ख्यालों और सामूदायिक विकास के संबंध में अपने विचार व्यक्त करने के लिये सामूदायिक रेडियो स्टेशन मुख्य आधार है, क्योंकि सभी व्यक्ति की पहुंच मुख्यधारा की मीडिया तक नहीं होती। उन्होने आगे कहा कि संस्था समुदाय की आवाज को मुखर करने के लिये ही सामूदायिक रेडियो स्टेशन प्रारंभ किया है, 91.2 एफएम पर इसे रोज सुना जा सकता है। संस्था के अध्यक्ष विजयराज अग्रवान ने कहा कि क्षेत्रिय भाषा से समूदाय के लिये समुदाय के द्वारा सामूदायिक रेडियों स्टेशन से चारों दिशाओं की लगभग 70 किलोमीटर के क्षेत्र में लोगो तक यह आवाज पहुंचेगी। कार्यक्रम से पूर्व ज्ञानोदय विद्यालय परिवार द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया। चिंतामणि महाराज के द्वारा सम्पूर्ण परिसर का अवलोकन किया गया और मूक बधिर बच्चों को पढ़ाने के तरीको की जानकारी ली। सांसद के द्वारा उद्घाटन शिला का शिलान्यास कर रेडियों रिहन्द का उद्घाटन किया। रेडियो स्टेशन में उनसे वार्तालाप किया गया और इसे रिकार्ड किया गया और रेडियो स्टेशन के माध्यम से उसका प्रसारण भी किया गया। वर्तमान में संतोष गुप्ता एवं शिवानी यादव द्वारा रेडियो स्टेशन को आपरेटिंग किया जा रहा है। मंच पर महात्मा गांधी जी के चित्र समक्ष द्वीप प्रज्वलित कर और माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की गयी। संस्था के अध्यक्ष विजयराज अग्रवाल ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। इस अवसर पर मूक बधिर बच्चों के द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। मूक बधिर बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुति से प्रसन्न माननीय चिंतामणि महाराज ने कहा कि ये विद्यालय नहीं होता तो इन बच्चों को शिक्षा कैसे मिल पाती और इनमें छुपी प्रतिभाओं को कैसे बाहर लाया जा सकता था। विजयराज अग्रवाल और विद्यालय के शिक्षक–शिक्षिकाओं का प्रयास बहुत ही अच्छा है। कार्यक्रम के आखिर में विजयराज अग्रवाल के द्वारा चिंतामणि महाराज को स्मृति चिन्ह भेंट किया । मुख्य अतिथि के द्वारा रेडियो रिहन्द को भी उसके उद्घाटन के अवसर पर एक स्मृति चिन्ह भेंट किया जिसे विजयराज के द्वारा ग्रहण किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अन्य अतिथियों इंजिनियर विनय सिंह, ललित गोयल,गोपाल सिंह विद्रोही, हरिनन्दन पासवान, देवधन बिंझिया, सतीष तिवारी कैलाश सिदार, अनीता सिंह, विनय सिंह, आदित्य सिंह, रतन गर्ग, सतीश तिवारी एवं संदीप सरकार को भी स्मृति चिन्ह भेंट किये गये। कार्यक्रम में मंच सचांलन विद्यालय के प्राचार्य अनवर हुसैन ने किया। कार्यक्रम को सफ्ल बनाने में विद्यालय एवं रेडियों रिहन्द के कर्मचारी संतोष गुप्ता, शिवानी, रीना सोनी, सीमा भगत, अनिता राजवाड़े, संगीता गुप्ता, जीवन ज्योति, ऐश्वर्या, गंगा साहू, आदर्श साहू की विशिष्ट भूमिका रही।

प्राथमिक उपचार प्रतियोगिता वर्ष 24 -25 खेल परिसर जरही में आयोजित

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) प्राथमिक उपचार प्रतियोगिता भटगांव क्षेत्र के विभिन्न खदानों के कर्मचारियों के बीच टीम बना कर आयोजित की गई थी। ज्ञात हो की खदान में कार्यरत कर्मचारियों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा को लेकर प्रतिवर्ष प्राथमिक उपचार प्रतियोगिता कराया जाता है। प्राथमिक उपचार प्रतियोगिता के समापन सत्र में मुख्य अतिथि थे महाप्रबंधक प्रदीप कुमार तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता भटगांव सहक्षेत्र प्रबंधक बी आर बिश्नोई ने किया। प्राथमिक उपचार प्रतियोगिता में टीम ए मे प्रथम पुरस्कार जगन्नाथपुर सहक्षेत्र टीम को द्वितीय पुरस्कार भटगांव सह क्षेत्र टीम को बेस्ट स्ट्रेचर ड्रिल का पुरस्कार जगरन्नाथपुर सहक्षेत्र को तथा बेस्ट कैप्टन का पुरस्कार शुभम घोष को दिया गया। टीम बी मे प्रथम पुरस्कार भटगांव सहक्षेत्र टीम को तथा द्वितीय पुरस्कार जगन्नाथपुर सहक्षेत्र को बेस्ट स्ट्रेचर ड्रिल का पुरस्कार भटगांव सहक्षेत्र को दिया गया तथा बेस्ट कैप्टन का पुरस्कार हिमांशु चंद्राकर को दिया गया। टीम सी मे बेस्ट टीम का पुरस्कार भटगांव सहक्षेत्र को तथा द्वितीय पुरस्कार जगन्नाथपुर सहक्षेत्र की टीम को दिया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय महाप्रबंधक प्रदीप कुमार ने सभी प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्राथमिक उपचार का जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है, प्राथमिक उपचार का हुनर सभी व्यक्तियों को सीखना चाहिए जो आकस्मिक घटना के बाद जीवन रक्षा के काम आता है। कार्यक्रम को भटगांव सहक्षेत्र प्रबंधक बी आर विश्नोई श्रमिक नेता सतीश तिवारी, सूरजन प्रजापति,संजय सिंह,मनोज पाण्डेय,संजय सिंह,अजय शर्मा ने संबोधित करते हुए प्राथमिक उपचार के बारे में तथा उसकी उपयोगिता के बारे में बताया। इस अवसर पर श्रमिक नेता दिलीप मंडल अशोक गुप्ता, जगन्नाथ पांडे, हरिंदर सिंह,जगन्नाथ शर्मा सहित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे।

संजय नगर रेलवे क्रासिंग पर वाई शेप अंडर ब्रिज निर्माण में लगेगा वक्त

एसडीओ ने कहा 90 फीसदी जमीन क्लियर होने के बाद होगा टेंडर

कोरबा(विश्व परिवार)। पॉवर हॉउस रोड में यातयात के दबाव को कम करने संजय नगर रेलवे क्रॉसिंग पर अंडरब्रिज बनाने के लिए पिछले 10 साल से योजना बन रही है। राज्य शासन ने इसे बजट में भी शामिल किया है। लेकिन मद नहीं मिलने से उक्त योजना अधूरी रह गई। प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद उद्योग, वाणिज्य और श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने पुन: अंडरब्रिज निर्माण कार्य हेतु पहल की। उसके बाद लगभग 9 महीने पहले कोरबा जिला कलेक्टर अजीत वसंत ने अंडरब्रिज के लिए प्रशासकीय मंजूरी का आदेश जारी किया। जिसकी लागत 30 करोड़ 97 लाख 89 हजार रुपए है। इसमें से 50 प्रतिशत राशि रेलवे देगी। 50 प्रतिशत राशि डीएमएफ से खर्च होगी। पीडब्ल्यूडी सेतु निगम इसके लिए तकनीकी मंनूरी भी ले चुकी है। लेकिन परेशानी का सबब रेलवे और सिंचाई विभाग की जमीन पर अतिक्रमण होना है। राज्य शासन ने बड़ी योजनाओं के लिए जब तक 90 प्रतिशत जमीन क्लियर नहीं होगी तब तक निविदा नहीं करने का नियम बनाया है। कलेक्टर ने जमीन खाली कराने राजस्व, नगर निगम, रेलवे, सिंचाई विभाग की संयुक्त टीम बनाई है। अंडरब्रिज से प्रभावित स्थल की जमीन को चार लोगों ने अपना बताते हुए जिला न्यायालय में याचिका लगाई है। न्यायालय में मामला जाने से जमीन का मामला उलझ सकता है। इस जमीन को रेलवे अपना बता रही है। वर्ष 1965 में यहां पर 4.57 एकड़ जमीन अधिग्रहित की गई थी। उसके बाद अगर दोनों विभाग अतिक्रमण नहीं होने देते तो परेशानी नहीं होती। सेतु निगम के एसडीओ एके जैन का कहना है कि नियमानुसार 90 फीसदी जमीन क्लियर होने के बाद ही टेंडर की प्रक्रिया शुरू होगा। वर्तमान में संजय नगर में प्रस्तावित अंडरब्रिज निर्माण के लिए जमीन को राजस्व की टीम के द्वारा खाली कराया जा रहा है। जमीन क्लियर होते ही टेंडर की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी

निर्माणाधीन शो-रूम के उपरी हिस्से में ठेकेदार हाई वोल्टेज करंट से झुलसा

कोरबा(विश्व परिवार)। ऑटो मोबाइल सेक्टर के एक निर्माणाधीन शो–रूम के ठेकेदार की आज सुबह दर्दनाक हादसे में मौत हो गई। उपरी हिस्से के कामकाज का निरीक्षण करने के लिए वह खुद चढ़ा हुआ था। इस दौरान 33 केवी विद्युत लाइन के हाई वोल्टेज करंट से संपर्क होने पर वह बुरी तरह से झुलस गया। उसके प्राण पखेरू उडने से यहां अफरा–तफरी मच गई। दर्री पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है।

कुदरगढ़ के मां बागेश्वरी देवी लोक न्यास ट्रस्ट का चुनाव संपन्न

पूर्व गृहमंत्री रामसेवक पैकरा अध्यक्ष पद पर निर्वाचित

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)–मां बागेश्वरी देवी लोक न्यास ट्रस्ट कुदरगढ़ के प्रथम निर्वाचित अध्यक्ष बनने का गौरव रामसेवक पैकरा पूर्व गृहमंत्री को प्राप्त हुआ। उल्लेखनीय है कि आज 23 दिसंबर को मां बागेश्वरी देवी लोक न्यास ट्रस्ट कुदरगढ़ का प्रथम निर्वाचन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। जिसमें पूर्व गृह मंत्री रामसेवक पैकरा और आजीवन सदस्य ओमप्रकाश दुबे ने अध्यक्ष पद के लिए नामांकन भरा। जिसमें निर्णय रामसेवक पैकरा के पक्ष में आया।इस अवसर पर मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने नव निर्वाचित अध्यक्ष को अपनी शुभकामनाएं दी इसके साथ ही प्रदेश के साथ साथ सूरजपुर जिले व जिलेवासियों का सतत् विकास हो इसके लिए मां कुदरगढी से मनोकामना मांगी । मां बागेश्वरी देवी लोक न्यास ट्रस्ट कुदरगढ़ के अध्यक्ष बनने पर रामसेवक पैकरा ने उपस्थित जनों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि लोक आस्था की देवी मां कुदरगढ़ी में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सर्व सुविधा युक्त वातावरण का निर्माण किया जाएगा ताकि उनका दर्शन सुलभ व सफ्लतापूर्ण संपन्न हो। उन्होंने कहा ट्रस्ट मूलभूत आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर कार्ययोजना बनायेगा और उसका सफ्ल क्रियान्वयन करेगा।

निर्वाचन कार्यक्रम में प्रेम नगर विधायक भी मौजूद : इस अवसर पर विधायक भूलन सिंह मरावी ने आज के दिन को महत्वपूर्ण क्षण बताया इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मां बागेश्वरी देवी लोक न्यास ट्रस्ट कुदरगढ़ के माध्यम से मंदिर व उसके आसपास के क्षेत्र का योजनाबद्ध तरीके से विकास होगा। ट्रस्ट मेला के पूर्व अध्यक्ष भूवन भास्कर प्रताप ने भी पूर्व गृह मंत्री रामसेवक पैकरा को नवीन अध्यक्ष बनने पर शुभकामनाएं दी।

ट्रस्ट ने लिया वृहद आकर अब कार्य का का होगा विस्तार - बाबूलाल अग्रवाल : सूरजपुर जिला भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल ने अपनी प्रक्रिया प्रदर्शित करते हुए कहा कि आज ट्रस्ट ने पूर्ण आकार ले लिया है जिसे निसंदेह क्षेत्र का क्रमबद्ध विकास होगा।

श्रद्धालुओं के इच्छा अनुरूप पूजा स्थल का होगा विस्तार- कलेक्टर जयवर्धन : इस अवसर पर कलेक्टर एस जयवर्धन ने भी उपस्थित जनों को संबोधित किया उन्होंने कहा ट्रस्ट के पूर्ण होने पर योजनाबद्ध तरीके से श्रद्धालुओं की इच्छा व आवश्यकता अनुरूप मंदिर व उसके क्षेत्र का विकास होगा। जिसमें आगे भी प्रशासन का सहयोग रहेगा।

उक्त निर्वाचन में ट्रस्ट की चयन प्रक्रिया में बाबूलाल अग्रवाल, पूर्व मेला अध्यक्ष भुवन भास्कर प्रताप सिंह, आजीवन सदस्य अखिलेश प्रताप सिंह, समाजसेवी श्री सुभाष गोयल, रामेश्वर प्रताप सिंह, ठाकुर राजवाड़े, बैगा रामकुमार बंछोर, राजेश महलवाला, प्रकाश दुबे, ओंकार पांडेय, प्रवेश गोयल, बलराम सोनी, राजेश तिवारी, प्रदीप द्विवेदी, आशीष प्रताप सिंह, अजय तिवारी, सावन गोयल, शांतनु प्रताप सिंह, लोकेश गुर्जर, लाल संतोष सिंह, संस्कार अग्रवाल, शंभूदयाल अग्रवाल, प्रमोद जैन, शैलेश अग्रवाल, अंकुर अग्रवाल, सुनील साहू, रंजन सोनी, भोले अग्रवाल, अंशुल गोयल, अमन प्रताप सिंह, कृष्ण कुमार अग्रवाल, दीपेंद्र सिंह चौहान, नेहा तिवारी, मुकेश अग्रवाल, शशांक प्रताप सिंह, हेमेंद्र गुर्जर, अभय प्रताप सिंह, विजय गुर्जर, अभय गुप्ता, प्रशांत अग्रवाल, आयुष गोयल सहित काफी संख्या में मां बागेश्वरी देवी लोक न्याय ट्रस्ट के आजीवन सदस्य ट्रस्टीगण उपस्थित रहे। मंच का सफ्ल संचालन श्री के एम पाठक एवं आभार भैयाथान एसडीएम श्री सागर सिंह ने किया। इसके साथ ही कार्यक्रम में जनपद सीईओ डॉ. नृपेन्द्र सिंह व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

उपार्जन केन्द्र के पास मडरा रहे हाथी, कर्मचारी दहशत में

कोरबा(विश्व परिवार)। करीब एक दर्जन की संख्या में यह हाथी अंधेरा छने के बाद धान खरीदी केंद्र में धमक रहे हैं। अब खरीदी केंद्र के कर्मचारी और चैकीदार को इस बात की चिंता है कि वे धान बचाएं कि जान। दोनों को बचाने की कवायद में किसानों से मदद ली जा रही है। उनके ट्रैक्टर लेकर उनकी मदद से रात में तेज आवाज में साउंड बॉक्स पर गाना बजाते हुए हाथियों को खदेडने की जोखिम भरी कोशिश की जा रही है जिसका वीडियो भी सामने आया है।वहीं दूसरी तरफ इन सब मामलों में अनुभवी वन कर्मियों और अधिकारियों की भूमिका पर भी सवालिया निशान उठे हैं जो सिर्फ हिदायत देकर खानापूर्ति कर रहे हैं। कोरबा में सहकारी समिति के कर्मचारियों ने हाथियों को खदेडने का गजब का तरीका इजाद कर लिया है। किसानों से उधार लिए ट्रैक्टर के जरिए रात भर हाथी को खदेडकर धान की सुरक्षा कर रहे हैं। यह नजारा करतला ब्लाक के हाथी प्रभावित नवापारा गांव स्थित 90 हजार क्विंटल धान की क्षमता वाला जिले का सबसे बड़ा उपार्जन केंद्र का है। इस केंद्र से लगे गांव के जंगल के आसपास 12 हाथियों ने डेरा जमा लिया है। शाम ढलते ही हाथियों का दल मंडी में घुसने की कोशिश करता है। उनसे निपटना बड़ी चुनौती बन जाती है। फ्ड़ के कर्मचारी ट्रैक्टर के जरिए और तेज आवाज में साउंड बॉक्स बजाकर हाथी को खदेड़ रहे हैं।पिछले 15 दिनों से यहां हाथियों से दहशत जारी है। फेंसिंग तोडकर हाथी इस केंद्र में घुसने का प्रयास करते हैं। किसानों और कर्मचारियों की जान खतरे में रहती है। नवापारा, रामपुर समेत तीन केंद्र के कर्मचारी अपनी जान जोखिम में डालकर रातनभर हाथियों से धान की सुरक्षा कर रहे हैं। किसानों के ट्रैक्टर मांगकर उसका साइलेंसर निकाल दिया है ताकि गाड़ी से अधिक आवाज आए, मगर यह तरीका भी जानलेवा है। कुछ दिन पहले एक हाथी चचिया के धान मंडी में घुस गया था। उसके बाद 15 हाथियों का दल नवापारा मंडी के इर्द गिर्द मंडरा रहा है।

एक ट्रेलर हुई दुर्घटनाग्रस्त घर भी हुआ क्षतिग्रस्त

कोरबा(विश्व परिवार)। कोरबा–पश्चिम में हरदीबाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत बलौदा रोड ग्राम सरईसिंगार में एक दुर्घटना घटित हुई हैं। जानकारी के अनुसार अनसुईया महिलांगे पति देवलाल महिलांगे के घर में रात्रि लगभग तीन बजे एक ट्रेलर अचानक अनियंत्रित होकर रोड किनारे घर को तोड़ते हुए घर में जा घुसा। वाहन चालक को बड़ी मुश्किल से गाड़ी से बाहर निकलाया गया, इसका सुखद पहलु यह रहा की कोई जन हानि नहीं हुई। हालांकि, पक्का मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है, जिससे मकान मालिक और उनका परिवार सदमे में आ गया है। जानकारी के अनुसार उक्त घटना दीपका–गेवरा खदान से कोयला लेकर निकल रहे भारी वाहन ट्रेलर के कारण हुई। अनुमान लगाया जा रहा हैं की शायद वाहन चालक को नींद आ जाने से यह घटना घटित हुई है।

सीआरपीएफ जवान ने की आत्महत्या

बिलासपुर(विश्व परिवार)। न्यायधानी बिलासपुर में एक सीआरपीएफ कांस्टेबल ने खुदखुशी कर ली है. बैरक में जवान का लटका हुआ शव मिला है. घटना से विभाग में हड़कंप मच गया है. मामला भरनी सीआरपीएफ कैंप का है. पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है.मिली जानकारी के मुताबिक, भरनी सीआरपीएफ कैंप में आज एक सीआरपीएफ कांस्टेबल ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है. बैरक में जवान का लटका हुआ शव मिलने से हड़कंप मच गया. मृतक कांस्टेबल असम का रहने का वाला था. खुदखुशी का कारण फ्लिहाल सामने नहीं आ पाया है. पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

कार ने सायकल सवार युवक को मारी ठोकर

चांपा(विश्व परिवार)। रेलवे ओवरब्रिज पर एक दर्दनाक सड़क हादसे में साइकिल सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब युवक प्लांट से काम करके अपने घर नया पारा चांपा, लौट रहा था। बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार कार ने साइकिल सवार को जोरदार टक्कर मारी, जिससे युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक युवक महेश गुप्ता उम्र 36 वर्ष नया पारा केबिन चांपा का रहने वाला है। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने बताया कि फरार कार चालक की तलाश की जा रही है और जल्द ही उसे पकड़ लिया जाएगा। इस दुर्घटना से स्थानीय लोगों में आक्रोश है और उन्होंने तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण लगाने की मांग की है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामला दर्ज कर जांच जारी है।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर बुधवार 25 दिसंबर 2024

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

विपक्ष पार्टी की यह आलोचना जायज है

इतने बड़े स्तर पर गहराते जा रहे शक को कौन दूर करेगा? आयोग ने भी कभी आत्म-निरीक्षण करने की जरूरत महसूस नहीं की है। क्या उसके आचरण भी संदेह का कारण हैं? इन प्रश्नों पर उसे गंभीरता से सोचने की जरूरत है। भारतीय निर्वाचन आयोग ने महाराष्ट्र के विपक्षी गठबंधन की चुनाव गड़बड़ी संबंधी शिकायतों को सिरे से खारिज कर दिया है। आयोग का यह जवाब अपेक्षित ही था। आयोग के मुताबिक उसे राज्य के 36 जिला अधिकारियों से रिपोर्ट मिल चुकी हैं। इनके मुताबिक सभी 288 सीटों पर ईवीएम वोटों और वीवीपैट में दर्ज मतों का मिलान करने पर उनमें कोई विसंगति नहीं मिली। आयोग की बातें सच हैं या नहीं, यहां असल मुद्दा यह नहीं है। विपक्ष की यह आलोचना जायज है कि ईवीएम में गड़बड़ी या चुनाव प्रक्रिया के दूषित होने का सवाल वह तभी उठाता है, जब उसकी हार हो जाती है। जहां विपक्षी दल जीत जाते हैं, वहां वे नतीजे को बिना किसी एतराज के गले लगा लेते हैं। साथ ही संगठन, चुनाव अभियान, एवं मतदाताओं का भरोसा जीतने में रह गई अपनी कमियों का कभी ठोस आकलन वे नहीं करते। इसके बावजूद मसला यह है कि भारत की चुनाव प्रक्रिया को लेकर संबंधित हितधारकों के एक बड़े हिस्से में संदेह पैदा हो चुका है। इन हितधारकों में विपक्ष भी है, सिविल सोसायटी, और आम जन का एक बड़ा हिस्सा भी। यह किसी रूप में भारतीय लोकतंत्र के लिए अच्छी बात नहीं है। मुद्दा है कि इतने बड़े तबके के बीच में गहराते जा रहे शक को कौन दूर करेगा? क्या इसकी प्राथमिक जिम्मेदारी निर्वाचन आयोग की नहीं है? मुश्किल यह है कि आयोग ने भी कभी आत्म-निरीक्षण करने की जरूरत महसूस नहीं की। क्या उसके आचरण भी संदेह का कारण हैं? इन प्रश्नों पर उसे गंभीरता से सोचने की जरूरत है। सत्ता पक्ष के लिए यह अहम सवाल है कि निर्वाचन आयोग के गठन की प्रक्रिया अगर सुप्रीम कोर्ट ने तय कर दी थी, तो उसने संसदीय विधेयक के जरिए उसे क्यों बदला? ऐसे पहलू समाज के किसी हिस्से में अविश्वास का कारण बने हों, तो क्या उसे अतार्किक कहा जाएगा? इन प्रश्नों पर सिर्फ एकतरफा बयान देने से बात नहीं बनेगी। जरूरत इस बात की है कि निर्वाचन आयोग इस पूरे प्रकरण पर सभी हितधारकों के साथ विस्तृत संवाद की शुरुआत करे। तभी पूरे देश में विश्वास का माहौल बनेगा।

राष्ट्र निर्माण के 'अटल' आदर्श की शताब्दी

-प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

मैं जी भर जिया, मैं मन से मरूं...
लौटकर आऊंगा, कूच से क्यों डरूं ?
अटल जी के ये शब्द कितने साहसी हैं...कितने गूढ़ हैं । अटल जी, कूच से नहीं डरे...उन जैसे व्यक्तित्व को किसी से डर लगता भी नहीं था । वो ये भी कहते थे...
जीवन बंजारों का डेरा आज यहां,
कल कहां कूच है..
कौन जानता किधर सवेरा...

आज अगर वो हमारे बीच होते, तो वो अपने पर नया सवेरा देख रहे होते । मैं वो दिन नहीं भूलता जब उन्होंने मुझे पास बुलाकर अंकवार में भर लिया था...और जोर से पीठ में धौल जमा दी थी। वो स्नेह...वो अपनत्व...वो प्रेम...मेरे जीवन का बहुत बड़ा सौभाग्य रहा है ।

आज 25 दिसंबर का ये दिन भारतीय राजनीति और भारतीय जनमानस के लिए एक तरह से सुशासन का अटल दिवस है । आज पूरा देश अपने भारत रत्न अटल को, उस आदर्श विभूति के रूप में याद कर रहा है, जिन्होंने अपनी सौम्यता, सहजता और सहृदयता से करोड़ों भारतीयों के मन में जगह बनाई । पूरा देश उनके योगदान के प्रति कृतज्ञ है । उनकी राजनीति के प्रति कृतार्थ है ।

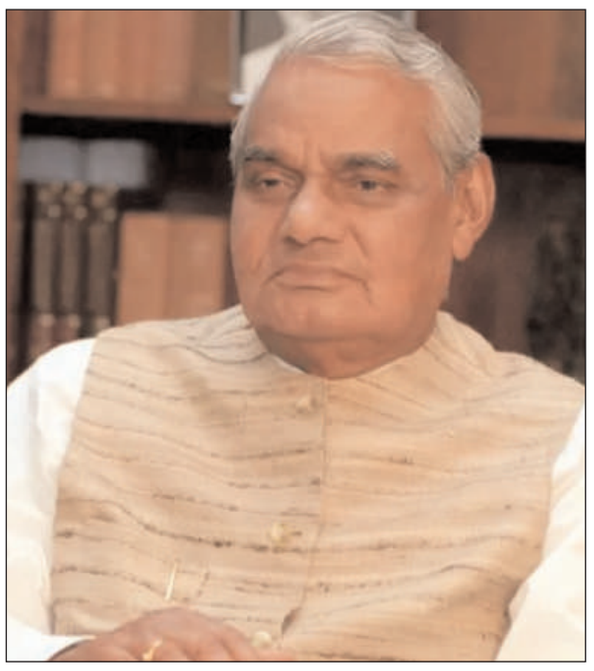

21वीं सदी को भारत की सदी बनाने के लिए उनकी एनडीए सरकार ने जो कदम उठाए, उसने देश को एक नई दिशा, नई गति दी। 1998 के जिस काल में उन्होंने पीएम पद संभाला, उस दौर में पूरा देश राजनीतिक अस्थिरता से घिरा हुआ था । 9 साल में देश ने चार बार लोकसभा के चुनाव देखे थे । लोगों को शंका थी कि ये सरकार भी उनकी उम्मीदों को पूरा नहीं कर पाएगी । ऐसे समय में एक सामान्य परिवार से आने वाले अटल जी ने, देश को स्थिरता और सुशासन का मॉडल दिया। भारत को नव विकास की गारंटी दी ।

वो ऐसे नेता थे, जिनका प्रभाव भी आज तक अटल है । वो भविष्य के भारत के परिकल्पना पुरुष थे । उनकी सरकार ने देश को आईटी, टेलीकम्यूनिकेशन और दूरसंचार की दुनिया में तेजी से आगे बढ़ाया । उनके शासन काल में ही, एनडीए ने टेक्नॉलजी को सामान्य मानवी की पहुंच तक लाने का काम शुरू किया । भारत के दूर-दराज के इलाकों को बड़े शहरों से जोड़ने के सफल प्रयास किये गए। वाजपेयी जी की सरकार में शुरू हुई जिस स्वर्णिम चतुर्भुज योजना ने भारत के महानगरों को एक सूत्र में जोड़ा वो आज भी लोगों की स्मृतियों पर अमिट है । लोकल कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए भी एनडीए गठबंधन की सरकार ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना जैसे कार्यक्रम शुरू किए । उनके शासन काल में दिल्ली मेट्रो शुरू हुई, जिसका विस्तार आज हमारी सरकार एक वर्ल्ड क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट के रूप में कर रही है । ऐसे ही प्रयासों से उन्होंने ना सिर्फ आर्थिक प्रगति को नई शक्ति दी, बल्कि दूर-दराज के क्षेत्रों को एक दूसरे से जोड़कर भारत की एकता को भी सशक्त किया । जब भी सर्व शिक्षा अभियान की बात होती है, तो अटल जी की सरकार का जिक्र जरूर होता है । शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता मानने वाले वाजपेयी जी ने एक ऐसे भारत का सपना देखा था, जहां हर व्यक्ति को आधुनिक और गुणवत्ता वाली शिक्षा मिले। वो चाहते थे भारत के वर्ग, यानि ओबीसी, एससी, एसटी, आदिवासी और महिला सभी के लिए शिक्षा सहज और सुलभ बने ।

उनकी सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए कई बड़े आर्थिक सुधार किए। इन सुधारों के कारण भाई-भतीजावाद में फंसी देश की अर्थव्यवस्था को नई गति मिली । उस दौर की सरकार के समय में जो नीतियां बनीं, उनका मूल उद्देश्य सामान्य मानवी के जीवन को बदलना ही रहा ।

उनकी सरकार के कई ऐसे अद्भुत और साहसी उदाहरण हैं, जिन्हें आज भी हम देशवासी गर्व से याद करते है । देश को अब भी 11 मई 1998 का वो गौरव दिवस याद है, एनडीए सरकार बनने के कुछ ही दिन बाद पोकरण में सफल परमाणु परीक्षण हुआ । इसे 'ऑपरेशन शक्ति' का नाम दिया गया । इस परीक्षण के बाद दुनियाभर में भारत के वैज्ञानिकों को लेकर चर्चा होने लगी। इस बीच कई देशों ने खुलकर नाराजगी जताई, लेकिन तब की सरकार ने किसी दबाव की परवाह नहीं की। पीछे हटने की जगह 13 मई को न्यूक्लियर टेस्ट का एक और धमाका कर दिया गया । 11 मई को हुए परीक्षण ने तो दुनिया को भारत के वैज्ञानिकों की शक्ति से परिचय कराया था। लेकिन 13 मई को हुए परीक्षण ने दुनिया को ये दिखाया कि भारत का नेतृत्व एक ऐसे नेता के हाथ में है, जो एक अलग मिट्टी से बना है ।

उन्होंने पूरी दुनिया को ये संदेश दिया, ये पुराना भारत नहीं है। पूरी दुनिया जान चुकी थी, कि भारत अब दबाव में आने वाला देश नहीं है। इस परमाणु परीक्षण की वजह से देश पर प्रतिबंध भी लगे, लेकिन देश ने सबका मुकाबला किया ।

वाजपेयी सरकार के शासन काल में कई बार सुरक्षा संबंधी चुनौतियां आईं । करगिल युद्ध का दौर आया। संसद पर आतंकियों ने कायरना प्रहार किया । अमेरिका के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हुए हमले से वैश्विक स्थितियां बदलीं, लेकिन हर स्थिति में अटल जी के लिए भारत और भारत का हित सर्वोपरि रहा।

जब भी आप वाजपेयी जी के व्यक्तित्व के बारे में किसी से बात करेंगे तो वो यही कहेगा कि वो लोगों को अपनी तरफ खींच लेते थे। उनकी बोलने की कला का कोई सानी नहीं था । कविताओं और शब्दों में उनका कोई जवाब नहीं था । विरोधी भी वाजपेयी जी के भाषणों के मुरीद थे। युवा सांसदों के लिए वो चर्चाएं सीखने का माध्यम बनतीं ।

कुछ सांसदों की संख्या लेकर भी, वो कांग्रेस की कुनीतियों का प्रखर विरोध करने में सफल होते । भारतीय राजनीति में वाजपेयी जी ने दिखाया, ईमानदारी और नीतिगत स्पष्टता का अर्थ क्या है ।

संसद में कहा गया उनका ये वाक्य... सरकारें आएंगी, जाएंगी, पार्टियां बनेंगी, बिगड़ेंगी मगर ये देश रहना चाहिए...आज भी मंत्र की तरह हम सबके मन में गूंजता रहता है ।

वो भारतीय लोकतंत्र को समझते थे । वो ये भी जानते थे कि लोकतंत्र का मजबूत रहना कितना जरुरी है । आपातकाल के समय उन्होंने दमनकारी कांग्रेस सरकार का जमकर विरोध किया, यातनाएं झेली । जेल जाकर भी संविधान के हित का संकल्प दोहराया । हृष्ट की स्थापना के साथ उन्होंने गठबंधन की राजनीति को नए सिरे से परिभाषित किया । वो अनेक दलों को साथ लाए और हृष्ट को विकास, देश की प्रगति और क्षेत्रीय आकांक्षाओं का प्रतिनिधि बनाया ।

पीएम पद पर रहते हुए उन्होंने विपक्ष की आलोचनाओं का जवाब हमेशा बेहतरीन तरीके से दिया । वो ज्यादातर समय विपक्षी दल में रहे, लेकिन नीतियों का विरोध तर्कों और शब्दों से किया । एक समय उन्हें कांग्रेस ने गद्दार तक कह दिया था, उसके बाद भी उन्होंने कभी असंसदीय शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया । उन में सत्ता की लालसा नहीं थी । 1996 में उन्होंने जोड़-तोड़ की राजनीति ना चुनकर, इस्तीफा देने का रास्ता चुन लिया । राजनीतिक षड्यंत्रों के कारण 1999 में उन्हें सिर्फ एक वोट के अंतर के कारण पद से इस्तीफा देना पड़ा । कई लोगों ने उनसे इस तरह की अनैतिक राजनीति को चुनौती देने के लिए कहा, लेकिन पीएम अटल बिहारी वाजपेयी शुचिता की राजनीति पर चले। अगले चुनाव में उन्होंने मजबूत जनादेश के साथ वापसी की ।

संविधान के मूल्य संरक्षण में भी, उनके जैसा कोई नहीं था । डॉ. श्यामा प्रसाद के निधन का उनपर बहुत प्रभाव पड़ा था । वो आपात के खिलाफ लड़ाई का भी बड़ा चेहरा बने । इमरजेंसी के बाद 1977 के चुनाव से पहले उन्होंने 'जनसंघ' का जनता पार्टी में विलय करने पर भी सहमति जता दी । मैं जानता हूं कि ये निर्णय सहज नहीं रहा होगा, लेकिन वाजपेयी जी के लिए हर राष्ट्रभक्त कार्यकर्ता की तरह दल से बड़ा देश था, संगठन से बड़ा, संविधान था ।

हम सब जानते हैं, अटल जी को भारतीय संस्कृति से भी बहुत लगाव था। भारत के विदेश मंत्री बनने के बाद जब संयुक्त राष्ट्र संघ में भाषण देने का अवसर आया, तो उन्होंने अपनी हिंदी से पूरे देश को खुद से जोड़ा । पहली बार किसी ने हिंदी में संयुक्त राष्ट्र में अपनी बात कही । उन्होंने भारत की विरासत को विश्व पटल पर रखा। उन्होंने सामान्य भारतीय की भाषा को संयुक्त राष्ट्र के मंच तक पहुंचाया।

राजनीतिक जीवन में होने के बाद भी, वो साहित्य और अभिव्यक्ति से जुड़े रहे। वो एक ऐसे कवि और लेखक थे, जिनके शब्द हर विपरीत स्थिति में व्यक्ति को आशा और नव सृजन की प्रेरणा देते थे। वो हर उम्र के भारतीय के प्रिय थे। हर वर्ग के अपने थे ।

मेरे जैसे भारतीय जनता पार्टी के असंख्य कार्यकर्ताओं को उनसे सीखने का, उनके साथ काम करने का, उनसे संवाद करने का अवसर मिला। अगर आज बीजेपी दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है तो इसका श्रेय उस अटल आधार को है, जिसपर ये दृढ़ संगठन खड़ा है ।

उन्होंने बीजेपी की नींव तब रखी, जब कांग्रेस जैसी पार्टी का विकल्प बनना आसान नहीं था । उनका नेतृत्व, उनकी राजनीतिक दक्षता, साहस और लोकतंत्र के प्रति उनके अगाध समर्पण ने बीजेपी को भारत की लोकप्रिय पार्टी के रूप में प्रशस्त किया । श्री लालकृष्ण आडवाणी और डॉ. मुरली मनोहर जोशी जैसे दिग्गजों के साथ, उन्होंने पार्टी को अनेक चुनौतियों से निकालकर सफलता के सोपान तक पहुंचाया ।

जब भी सत्ता और विचारधारा के बीच एक को चुनने की स्थितियां आईं, उन्होंने इस चुनाव में विचारधारा को खुले मन से चुन लिया । वो देश को ये समझाने में सफल हुए कि कांग्रेस के दृष्टिकोण से अलग एक वैकल्पिक वैश्विक दृष्टिकोण संभव है । ऐसा दृष्टिकोण वास्तव में परिणाम दे सकता है ।

आज उनका रोपित बीज, एक वटवृक्ष बनकर राष्ट्र सेवा की नव पीढ़ी को रच रहा है । अटल जी की 100वीं जयंती, भारत में सुशासन के एक राष्ट्र पुरुष की जयंती है । आइए हम सब इस अवसर पर, उनके सपनों को साकार करने के लिए मिलकर काम करें । हम एक ऐसे भारत का निर्माण करें, जो सुशासन, एकता और गति के अटल सिद्धांतों का प्रतीक हो । मुझे विश्वास है, भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी के सिखाए सिद्धांत ऐसे ही, हमें भारत को नव प्रगति और समृद्धि के पथ पर प्रशस्त करनें की प्रेरणा देते रहेंगे ।

आलेख

बहुउद्देशीय पैक्स- ग्रामीण अर्थव्यवस्था के बदलाव का कारक

डॉ हेमा यादव

भारत में लगभग 2,70,000 ग्राम पंचायतें हैं, फिर भी इनमें से कई स्थानीय निकाय प्राथमिक कृषि ऋण समितियों, डेयरी और मत्स्य सहकारी समितियों से वंचित हैं। ऋण, आवश्यक सामग्री, बाजार और रोजगार प्रदान करने में इन प्राथमिक-स्तर की सहकारी समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हुए, मोदी सरकार ने अब तक सरकारी संस्थाओं से वंचित ग्राम पंचायतों में नई बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि सहकारी समिति, यानि, बहुउद्देशीय पैस्क , और डेयरी और मत्स्य सहकारी समितियां स्थापित करने की योजना लेकर आयी है । प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'सहकार से समृद्धि' के दृष्टिकोण के अनुसार, बहुउद्देशीय पैक्स ग्रामीण क्षेत्रों में विकास की आधारशिला बन जाएगी, जिसका लक्ष्य प्रत्येक गांव में कम से कम एक ऋण, डेयरी, या मत्स्य सहकारी समिति होना है। यह पहल डेयरी, मत्स्य पालन, अन्य क्षेत्रों में ऋण पहुंच और व्यावसायिक अवसरों को बढ़ाने पर केंद्रित है । देश के हर गांव और पंचायत को कवर करने के लिए 2 लाख नई बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि सहकारी समितियां स्थापित करने की योजना केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में जारी है और यह पहल ग्रामीण समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए सहकारिता मंत्रालय की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस योजना को दो आयामी कार्ययोजना के साथ लागू किया जा रहा है;

1. अगले पांच वर्षों में सभी पंचायतों और गांवों को कवर करने वाली नई बहुउद्देशीय पैक्स, डेयरी और मत्स्य सहकारी समितियों की स्थापना

2. मौजूदा सहकारी समितियों का सुदृढ़ीकरण

अगले पांच वर्षों में 70,000 बहुउद्देशीय पैक्स, 56,000 नई बहुउद्देशीय डेयरी सहकारी समितियां और 6,000 नई बहुउद्देशीय मत्स्य सहकारी समितियां स्थापित करने तथा मौजूदा समितियों को मजबूत करने का लक्ष्य है।

मार्गदर्शिका का क्रियान्वयन

इस योजना के सफल क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह द्वारा एक मार्गदर्शनिका का शुभारंभ किया गया है । इस पुस्तिका में मानक प्रक्रियाओं, लक्ष्यों, समयसीमाओं, विशिष्ट भूमिकाओं और जिम्मेदारियों और एक निगरानी तंत्र की रूपरेखाएं दी गई हैं। बहुद्देशीय पैक्स के लिए दिशानिर्देशों ने राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों दोनों को योजना को संरचित तरीके से निष्पादित करने में सक्षम बनाया है । बहुद्देशीय पैक्स के गठन में नाबार्ड, एनडीडीबी और एनएफडीबी जैसे भागीदार सक्रिय रूप से शामिल हैं। इस पहल का एक महत्वपूर्ण पहलू डेयरी प्रसंस्करण और अवसंरचना कोष, राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम और प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना सहित भारत सरकार की योजनाओं का अभिसरण है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा योजना का प्रभावी क्रियान्वयन एक निर्दिष्ट समय सीमा के भीतर संतुलित विकास की सुविधा प्रदान कर रहा है। राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तरीय समितियों के साथ-साथ अंतर-मंत्रालय समिति के माध्यम से प्रभावी समन्वय स्थापित किया गया है। सहकारिता मंत्रालय के द्वारा नियमित निगरानी और समर्थन इसके प्रभावी कार्यान्वयन को मजबूती प्रदान करता है।

राज्यों की उपलब्धियां राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस के अनुसार देश में 10,458 नए बहुउद्देशीय पैक्स पंजीकृत किए गए हैं। बहुउद्देशीय डेयरी सहकारी समितियों, बहुउद्देशीय मत्स्य सहकारी समिति और बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों के गठन से ग्रामीण पारिस्थितिकी तंत्र में सुधार होगा और लोगों के लिए अपार अवसर खुलेंगे । इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था में छोटे और सीमांत किसानों, वंचित और कमजोर लोगों की भागीदारी में सुधार होगा। आकांक्षी और वंचित जिलों और पंचायतों में बहुउद्देशीय पैक्स के माध्यम से सदस्य-केंद्रित और समावेशी विकास मॉडल से ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर कई गुना प्रभाव पड़ेगा। उत्तराखंड ने 2018 से प्राथमिक कृषि ऋण समितियों के विविधीकरण और आधुनिकीकरण में अग्रणी भूमिका निभाई है । 2023 में मॉडल उपनियमों की शुरूआत ने सहकारी समितियों को बहुउद्देश्यीय कृषि सहकारी समितियों में विकसित होने के लिए प्रेरित किया ।

ईवीएम मुद्दे पर कांग्रेस को पंक्चर करने का प्रयास

अजीत द्विवेदी

संसद का शीतकालीन सत्र कई मायने में बहुत दिलचस्प राजनीतिक घटनाक्रम वाला रहा है। इस सत्र में जो विधायी कामकाज हुए या दोनों सदनों में संविधान पर जो चर्चा हुई वह अपनी जगह है लेकिन जो राजनीति हुई वह ज्यादा दिलचस्प रही। यह पहली बार हुआ कि पूरे सत्र में कांग्रेस सत्ता पक्ष के साथ साथ विपक्ष की पार्टियों के निशाने पर भी रही। कांग्रेस को अलग थलग करने का प्रयास भाजपा की ओर से हो रहा था तो साथ साथ विपक्षी गठबंधन की पार्टियों की ओर से भी हो रहा था। यह प्रयास इतना व्यवस्थित था कि शुरू में तो कांग्रेस भी नहीं भांप सकी कि जो हो रहा है वह एक डिजाइन के तहत हो रहा है। लेकिन फिर कांग्रेस को समझ में आया लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। एक महीने के सत्र में वह अपना एक भी एजेंडा सदन में ठीक से नहीं उठा सकी। सरकार से ज्यादा विपक्ष की पार्टियों ने कांग्रेस के एजेंडे को पंक्चर किया। कांग्रेस का इस सत्र में सबसे बड़ा एजेंडा अडानी का था। सत्र से ठीक पहले अमेरिकी अदालत में गौतम अडानी और सागर अडानी सहित आठ लोगों के खिलाफ फ्रॉड और घूसखोरी के आरोप लगे थे और वारंट जारी होने की खबर आई थी। इस लिहाज से यह विपक्ष के लिए बड़ा मौका था कि वह केंद्र सरकार को क्रोनी कैपिटलिज्म पर घेरे। कांग्रेस ने यही किया। उसने संसद ठप्प किया और संसद परिसर में प्रदर्शन भी किया। लेकिन दो दिन के बाद ही ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने अपने को कांग्रेस के प्रदर्शन से अलग कर लिया। इतना ही नहीं तृणमूल कांग्रेस ने यह भी कह दिया कि वह अडानी के मसले पर संसद ठप्प करने के समर्थन में नहीं है। वह चाहती है कि दूसरे मुद्दों पर संसद में चर्चा हो। हालांकि ऐसा नहीं है कि अडानी के अलावा दूसरे मुद्दे नहीं उठाए जा रहे थे। लेकिन तृणमूल कांग्रेस ने अपने राज्य के स्थानीय मुद्दे और मणिपुर का मुद्दा उठाने के नाम पर अपने को कांग्रेस से दूर किया। तृणमूल के यह स्टैंड लेने के करीब एक हफ्ते बाद समाजवादी पार्टी ने भी यही स्टैंड ले लिया। सपा ने भी कह दिया कि वह अडानी के मसले पर कांग्रेस के साथ नहीं है। उसके लिए संभल की शाही मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा का मुद्दा ज्यादा बड़ा था। जिस समय तृणमूल कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने अडानी मसले पर कांग्रेस को अलग थलग करने का अपना दांव चला उसी समय लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अपनी जिद में कहा कि कांग्रेस अडानी का मुद्दा नहीं छोडने जा रही है। उनको पता था कि यह मुद्दा सरकार को और भाजपा को सबसे ज्यादा तकलीफ दे रहा है। तभी उन्होंने साफ कर दिया कि संसद के शीतकालीन सत्र में कांग्रेस यह मुद्दा उठाती रहेगी। उस समय तक संभवत: उन्होंने भी नहीं सोचा होगा कि इस मुद्दे की हवा निकालने के लिए तृणमूल कांग्रेस किस हद तक जाएगी। तृणमूल कांग्रेस का अगला कदम था, सीधे कांग्रेस के नेतृत्व को चुनौती देना और विपक्षी गठबंधन में उसकी ऑथोरिटी को कमजोर करना। इसके लिए सीधे ममता बनर्जी मैदान में उतरीं। पहले कल्याण बनर्जी या काकोली घोष दस्तीदार या दूसरे नेताओं के जरिए बयानबाजी हो रही थी लेकिन कांग्रेस नेतृत्व को चुनौती देने की बात आई तो खुद ममता बनर्जी ने कहा कि उन्होंने इंडिया' ब्लॉक का गठन किया था मौका मिले तो वे इसका नेतृत्व करना चाहेंगी। इसके बाद तो पंडोरा बॉक्स खुल गया। ऐसा लगा, जैसे पार्टियां कांग्रेस से भरी बैठी हैं। एक के बाद एक नेताओं ने कांग्रेस से नेतृत्व छीन कर ममता बनर्जी को देने की मांग शुरू कर दी। संजय राउत से लेकर शरद पवार और रामगोपाल यादव से लेकर लालू यादव तक सब ममता की जयकार करने लगे। रामगोपाल यादव ने कहा कि राहुल विपक्षी गठबंधन के नेता नहीं हैं तो लालू यादव ने कहा कि कांग्रेस के विरोध की परवाह किए बगैर ममता को नेता बनाना चाहिए। इसके बाद मीडिया में कथित राजनीतिक विश्लेषकों द्वारा बताया जाने लगा कि ममता बनर्जी को विपक्ष का नेता बनाने के क्या क्या फायदे इंडिया' ब्लॉक को मिल सकते हैं। जब राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी पर इससे भी फर्क नहीं पड़ा और वे अडानी का मुद्दा उठाते रहे तब ईवीएम के मुद्दे पर कांग्रेस को पंक्चर करने का प्रयास शुरू हुआ। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता और जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि कांग्रेस ईवीएम का रोना बंद करे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जब चुनाव जीत जाती है तो जश्न मनाती है और हारने पर ईवीएम को दोष देती है। इसके तुरंत बाद ईडी और सीबीआई की जांच में फंसे ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी ने कांग्रेस के ईवीएम विरोध को खारिज करते हुए कहा कि कांग्रेस सबूत पेश करे कि कैसे ईवीएम हैक किया जाता है। अडानी के बाद ईवीएम दूसरा मुद्दा था, जिस पर कांग्रेस ने केंद्र सरकार के विरोध का पूरा नैरेटिव बनाया था। लेकिन भाजपा के साथ साथ विपक्ष की पार्टियों ने ही इन दोनों मुद्दों को पंक्चर करने का प्रयास किया। सवाल है कि विपक्षी पार्टियों ने कांग्रेस को अलग थलग करने का यह जो प्रयास संसद सत्र में किया उससे कांग्रेस कमजोर हुई, बैकफुट पर गई, अलग थलग हुई या विपक्ष की चुनिंदा पार्टियों की पोल खुली? क्या इससे ममता बनर्जी और अखिलेश यादव ज्यादा एक्सपोज नहीं हुए हैं? क्या इन दोनों को अंदाजा है कि इनको लेकर क्या नैरेटिव बन रहा है? सहज रूप से यह धारणा बनी है कि देश के सबसे अमीर कारोबारी गौतम अडानी ने चाहे जिस तरह से हो इन दोनों नेताओं को अपना बना लिया है। यह भी कहा और माना जा रहा है कि विपक्ष की ज्यादातर पार्टियां अडानी मसले पर राहुल के अभियान से इसलिए असहज हैं क्योंकि उनको किसी न किसी तरह का लालच है या भय है। किसको लालच है और किसको भय है, यह अलग चर्चा का विषय है लेकिन हकीकत है कि कांग्रेस को अलग थलग करने के चक्कर में ममता बनर्जी और अखिलेश यादव के साथ साथ विपक्ष की कई पार्टियों ने अपने को एक्सपोज कर लिया है।

असल में इन पार्टियों ने एक तीर से दो शिकार करने का प्रयास किया। उनको लगा कि कांग्रेस के एजेंडे को पंक्चर करेंगे तो सरदार खुश होगा, शाबाशी देगा और दूसरे, कांग्रेस को भी अलग थलग कर देंगे तो विपक्षी गठबंधन के नेतृत्व की राह निष्कंटक बनेगी।

साथ ही वोट की राजनीति में भी कांग्रेस की ओर से पैदा की जा रही चुनौती खत्म होगी। पता नहीं यह लक्ष्य कितना पूरा हुआ लेकिन यह जरूर हुआ कि इन नेताओं ने अपनी जो छवि लडने वाले और क्रांतिकारी नेता की बनाई थी वह अब पूंजी के सामने झुकने और सत्ता की ताकत से दबने वाले नेता की हो गई है। कहने को ये पार्टियां अब भी केंद्र सरकार और भाजपा के खिलाफ बयानबाजी करेंगी लेकिन उनका कोई खास मतलब नहीं होगा। उसे नूरा कुश्ती ही माना जाएगा।

सांसद का रक्त गिरना लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है.....

राहुल गांधी ने आज जो कुछ किया है वह सब देश के सामने है। देश को निर्णय लेना ही होगा कि संसद में उसे कैसे प्रतिनिधि चाहिए जनता के लिए सरकार से भिड़ना अलग बात है लेकिन अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए किसी के साथ हिंसा करना अलग बात है। अक्सर कुर्ते की बाहें चढ़ा कर विरोधी दलों पर हमला बोलने वाले राहुल गांधी ने आज जिस तरह संसद में भाजपा सांसदों के साथ बर्ताव किया वह लोकतंत्र के लिए काला अध्याय बन गया। संयोग देखिये कि यह सब तब हुआ जब हाल ही में संसद ने 'भारतीय संविधान के 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा' पर चर्चा की। देखा जाये तो यह कांग्रेस का दोमुंहापन नहीं तो और क्या है कि एक ओर उसके सांसद जय भीम के नारे लगा कर प्रदर्शन कर रहे थे तो दूसरी ओर पार्टी के नेता संविधान और नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए गुंडागर्दी पर उतर रहे थे। बात-बात पर संविधान की प्रति दिखाने वाले राहुल गांधी को बताना चाहिए कि उसमें कहां लिखा है कि संसद में या संसद परिसर में हिंसा की जाये या किसी को धक्का दिया जाये? दिन-रात संविधान की प्रति दिखाने वाले राहुल गांधी को बताना चाहिए कि संविधान में कहां लिखा है कि महिला सांसद के साथ बदतमीजी की जाये? राहुल गांधी ने आज जो कुछ किया है वह सब देश के सामने है। देश को निर्णय लेना ही होगा कि संसद में उसे कैसे प्रतिनिधि चाहिए? जनता के लिए सरकार से भिड़ना अलग बात है लेकिन अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए किसी के साथ हिंसा करना अलग बात है। राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर कराई गयी है। देखना होगा कि उनके खिलाफ जांच में क्या निकल कर आता है लेकिन इतना तो तय है कि उन्होंने विपक्ष के नेता पद की गरिमा को तार-तार कर दिया है। इतिहास उन्हें विपक्ष के ऐसे नेता के रूप में याद रखेगा जिसने मर्यादाओं और लोकतांत्रिक परम्पराओं की कभी परवाह नहीं की।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/धर्म समाज/देश
रायपुर, बुधवार 25 दिसम्बर 2024
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने की विभाग के योजनाओं की समीक्षा

रायपुर (विश्व परिवार)। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने आज नवा रायपुर स्थित मंत्रालय महानदी भवन में विभागीय कार्यों की समीक्षा की है। स्वास्थ्य मंत्री ने नव पदस्थ स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया की उपस्थिति में विभागीय प्रमुखों एवं सभी अधिकारियों को बेहतर कार्य करने तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। बैठक में बीते एक वर्ष के दौरान स्वास्थ्य विभाग के द्वारा किए गए कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गयी साथ ही आने वाले समय के लिए भी अधिकारियों को रणनीति बनाकर जनहित में लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए चर्चा की गयी। समीक्षा बैठक में चिकित्सा शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, आयुष, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, सीजीएमएससी एवं खाद्य एवं औषधि विभाग से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में जायसवाल ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि स्वास्थ्य जनहित से जुड़ा एक बड़ा मुद्दा है और इसमें लगातार सुधार की गुंजाइश है। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के सचिव अमित कटारिया, आयुक्त सह संचालक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. प्रियंका शुक्ला, एमडी एनएचएम विजय दयाराम के एवं संचालक सीजीएमएससी पद्मिनी भोई समेत अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

कोटा में विशुद्धकुल गौरव श्रुतसंवेगी श्रमण श्री आदित्यसागर जी महाराज के आशीर्वाद एवं सानिध्य में चांदी की वेदी बनी है : पारस बज

कोटा/राजस्थान (विश्व परिवार)। जयदु जिणिंदो महावीरों। कोटा (राजस्थान) के श्रावक एवं मंत्री श्री पारस बज जी ने बताया कि- कोटा में श्री 1008 चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर रिद्धी सिद्धी नगर में विशुद्धकुल गौरव श्रुतसंवेगी श्रमण श्री आदित्यसागर जी महाराज के आशीर्वाद एवं सानिध्य में चांदी की वेदी बनी है। रिद्धी सिद्धी जैन मंदिर के मुलनायक भगवान चंद्रप्रभु प्राचीन मार्बल वेदिका के उपर लागभग सवा क्विंटल वजनी स्वर्ण रजत जडे पत्रे एवं नवीन कमलासन पर विराजित हुए है। कोटा समाज में हर्ष कि लहर दौड गई है।

इस अवसर पर नवम्बर 2024 में श्री विशुद्धकुल गौरव, आध्यात्मिक महाद्युति, श्रुतसंवेगी श्रमण श्री 108 आदित्यसागर जी, श्रुतप्रिय श्रमण श्री 108 अप्रमितसागर जी महाराज, अशोकनगर गौरव सहजानंदी श्रमण श्री 108 सहजसागर जी महाराज का सानिध्य प्राप्त हुआ था।

श्री विशुद्धकुल गौरव, आध्यात्मिक महाद्युति, श्रुतसंवेगी श्रमण श्री 108 आदित्यसागर जी, श्रुतप्रिय श्रमण श्री 108 अप्रमितसागर जी महाराज, अशोकनगर गौरव सहजानंदी श्रमण श्री 108 सहजसागर जी महाराज एवं क्षुल्लक श्री 105 श्रेयससागर जी महाराज विदिशा में विराजमान है। मुनीत्रय की चरण धूलि से पावन हो रही है, विदिशा की वसुधा। नित्यम आदित्यम आनंदम। श्रुतसंवेगी श्रमण श्री आदित्यसागर महाराज जी ने कहा की, जिंदगी का हर दिन चूनौती पूर्ण होता है, कभी हार तो कभी जीत का सामना करना पडता है। इसलिये जिंदगी जख्मो से भरी है, वक्त को मलहम बनाना सिखे। सही बात है- जिंदगी आसन नहीं होती, इसे आसान बनाना पडता है। कुछ अंदाज से, कुछ नजर अंदाज से। नमोस्तु शासन जयवंत हो। -**अभिषेक अशोक पाटील**

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वर्कशॉप का आत्मानंद हिंदी माध्यम विद्यालय में हुआ समापन

कलेक्टर प्रशांत कुशवाहा ने 44 कम्प्यूटर शिक्षकों को प्रमाण पत्र प्रदान किया

जशपुर नगर (विश्व परिवार)। कलेक्टर रोहित व्यास के निर्देश पर कंप्यूटर शिक्षकों के लिए आयोजित पांच दिवसीय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वर्कशॉप का? समापन स्वामी आत्मानंद हिंदी माध्यम विद्यालय जशपुर में हुआ। एआई आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जशपुर जिले के सभी सरकारी, प्राइवेट, अनुदान प्राप्त विद्यालयों और महाविद्यालयों में कार्यरत कंप्यूटर शिक्षकों के लिए 19 दिसंबर से 23 दिसंबर तक वर्कशॉप का आयोजन कराया गया था।

शिक्षा विभाग के प्रभारी अधिकारी डिप्टी कलेक्टर प्रशांत कुशवाहा समापन दिवस पर प्रशिक्षण लेने वाले 44 कंप्यूटर शिक्षकों को प्रमाण पत्र प्रदान किया। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भविष्य में एआई का महत्व और भी बढ़ने वाला है। विद्यार्थियों को इसके लिए तैयार करना होगा और एआई टूल्स के उपयोग में उन्हें प्रतियोगी बनाना होगा।

एआई टूल्स से विभिन्न कंटेंट्स के प्रेजेंटेशन

समापन कार्यक्रम में उपस्थित जिला शिक्षा अधिकारी पी के भटनागर ने प्रतिभागियों से अनुभव शेयर करने को कहा और ट्रेनिंग में 5 दिनों तक अर्जन किए गए ज्ञान का फीडबैक लिया। उन्होंने प्रतिभागियों के द्वारा एआई टूल्स के उपयोग से बनाए गए विभिन्न कंटेंट्स के प्रेजेंटेशन भी देखें। समापन कार्यक्रम में मैत्री स्कूल आफ एंटरप्रेन्योरशिप प्राइवेट लिमिटेड के को-फाउंडर उत्कर्ष मिश्रा, एडीपीओ विनय सिन्हा और यशस्वी जशपुर के अवनीश पांडेय उपस्थित रहे।

सरकारी योजनाओं को नियम निर्देशो के अनुसार आमजनों तक पहुंचाना ही सुशासन : ठाकुर राम सिंह

सुशासन सप्ताह के दौरान जिला स्तरीय कार्यशाला

रायपुर (विश्व परिवार)। सुशासन सप्ताह के अवसर पर आज रायपुर जिले में सुशासन कार्यशाला का आयोजन हुआ। कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रास सभाकक्षा में पूर्व प्रशासनिक अधिकारी श्री ठाकुरराम सिंह ने इस कार्यशाला में अधिकारियों और कर्मचारियों को सुशासन के वास्तविक पहलूओं से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि शासकीय कामकाज निर्धारित नियमों और कानूनों के हिसाब से ही चलते है, परंतु इन नियमों कानूनों का पालन करते हुए शासकीय योजनाओं और कार्यक्रमों से अधिक से अधिक लोगों को लाभंवित करना ही सच्चे अर्थो में सुशासन है। उन्होंने कहा कि हर लोकसेवक को अपने सेवा काल में शासन नहीं बल्कि सुशासन के लिए काम करना चाहिए, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक सरकार की योजनाएं पहुचायी जा सकें, लोग उनका पूरा लाभ ले और अपने जीवन स्तर को बेहतर बना सकें। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को टाइम मैनेजमेंट के साथ साथ डेऊस कोड का विशेष ध्यान रखना चाहिए। इससे आने वाले आम लोगों पर प्रभाव पडता है। गुड गर्वनेंस तभी हो सकता है जब आप इसको महसूस करेंगें और इसमें सक्रिय सहभागिता निभाएगें। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को ज्यादा से ज्यादा पब्लिक से संबंधित कार्य को महत्वता देनी चाहिए। श्री ठाकुर राम सिंह ने रायपुर जिले में सुशासन के लिए किए जा रहे नवाचारों जनदर्शन प्रणाली, बीपीओ सेंटर, जनसमस्या निवारण कॉल सेंटर आदि का भी अवलोकन किया और कलेक्टर डॉ गौरव सिंह से इसके बारे में विस्तृत जानकारी भी ली।

उन्होनें कहा कि सुशासन से हमारा तात्पर्य है एक ऐसी व्यवस्था जो न्यायापूर्ण, पारदर्शी और जवाबदेह हो। हमें सुशासन को बढ़ावा देने के लिए एकजुट होकर काम करना होगा। सुशासन किसी भी देश की प्रगति के लिए महत्वपूर्ण हैं। केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा 19 दिसंबर से 24 दिसंबर तक सुशासन सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। प्रशासन गांव की ओर थीम पर विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही है। इसी कड़ी में आज कार्यशाला का आयोजन कलेक्टोरट परिसर स्थित रेडक्रास सभाकक्ष में आयोजित किया गया। उन्होंने इस दौरान अधिकारियों से अपने प्रशासनिक कार्यकाल का लंबा अनुभव साझा किया।

शिक्षक के मार्गदर्शन बना मॉडल, राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी के लिए हुआ चयनित

अभनपुर (विश्व परिवार)। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान परिषद द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर के 51वीं राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी 26 से 31 दिसंबर तक सोनीपत हरियाणा में आयोजित हो रही है।जिसमे देशभर से चयनित विज्ञान मॉडल के प्रतिभागी छात्र-छात्राएं और उनके मार्गदर्शक शिक्षक भाग लेंगे। ज्ञात हो कि अगस्त में राज्य स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जगदलपुर में आयोजित हुआ था। जिसमें छत्तीसगढ़ के करीब 250 बाल वैज्ञानिकों तथा 150 शिक्षकों ने भाग लिया था। जिसमें से पीएमश्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अभनपुर की दिव्यांग छात्रा गौरी सेन और भावना मारकण्डे का मॉडल राष्ट्रीय स्तर के प्रदर्शनी के लिए चयन हुआ है।इस प्रादर्श के मार्गदर्शक शिक्षक हेमन्त कुमार साहू ने बताया कि उनके मार्गदर्शन में बनाया गया साइकिलिंग विथ वेल मॉडल जोकि विशेषरूप से ग्रामीण क्षेत्रों के लिए बनाया गया है। जहाँ आज भी महिलाएं कुएँ से पानी निकालते है। उनकी निस्तारी का कुआँ ही एक मात्र साधन है। खासकर महिलाओं को कुएँ से बाल्टी से पानी खींचते समय काफी परेशानियां होती है।

कई बार पानी निकालते समय महिलाएँ कुए में गिर जाती हैं।इन समस्याओं के समाधान के लिए यह मॉडल बहुत ही उपयोगी है। उक्त मॉडल का प्रस्तुतीकरण हरियाणा के सोनीपत खेल विश्वविद्यालय में किया जाएगा। वहीं यह माडल का चयन राष्ट्रीय स्तर पर होने पर जिला शिक्षा अधिकारी डॉ.विजय खंडेलवाल, सीईओ राजेंद्र पांडे, नोडल अधिकारी इंस्पायर निशा शर्मा, एससीईआरटी से के.के. शुक्ला, एपीसी अरुण शर्मा, जिला नोडल अधिकारी साक्षर भारत कामनी बावनकर, विकासखंड शिक्षा अधिकारी धनेश्वरी साहू ,बीआरसीसी राकेश साहू ,प्राचार्य पीएमश्री अभनपुर नाजिमा ऐज़ाज़ आदि ने इन छात्रों व शिक्षक हेमंत को शुभकामनाएं दी है।

कुंभ स्पेशल ट्रेनों की सुविधा : विशाखपट्टनम-पंडित दीनदयाल उपाध्याय-विशाखपट्टनम (रायपुर-उरलापुर होकर) एवं विशाखपट्टनम-गोरखपुर-विशाखपट्टनम कुम्भ स्पेशल ट्रेन का परिचालन (बिलासपुर-कटनी होकर)

दपूम रेलवे के रायपुर, बिलासपुर, उसलापुर, रायगढ़, चांपा, पेंड्रारोड, अनूपपुर, शहडोल एवं उमरिया स्टेशनों से मिलेगी इन ट्रेनों में यात्रा करने की सुविधा

रायपुर (विश्व परिवार)। रेलवे प्रशासन द्वारा प्रयागराज महाकुंभ मेला जाने वाले श्रद्धालुओं एवं यात्रियों को सुगम, सुरक्षित एवं आरामदायक यात्रा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कुंम्भ मेला विशेष ट्रेनें संचालित की जा रही हैं। इसी कड़ी में, 08530/08529 विशाखपट्टनम-पंडित दीनदयाल उपाध्याय-विशाखपट्टनम एवं 08562/08561 विशाखपट्टनम-गोरखपुर-विशाखपट्टनम कुम्भ मेला स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है 7 ये गाडियाँ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के ''रायपुर, बिलासपुर, उसलापुर, रायगढ़, चांपा, पेंड्रारोड, अनूपपुर, शहडोल एवं उमरिया स्टेशनों पर ठहरकर गंतव्य तक जाएगी। विस्तृत विवरण इस प्रकार है -

08530/08529 विशाखपट्टनम-पंडित दीनदयाल उपाध्याय-विशाखपट्टनम कुम्भ स्पेशल ट्रेन- गाड़ी संख्या 08530 विशाखपट्टनम-पंडित दीनदयाल उपाध्याय कुम्भ स्पेशल, विशाखपट्टनम से 09, 16 व 23 जनवरी तथा 06, 20 व 27 फरवरी 2025 (प्रत्येक गुरुवार) को 17.35 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन 04.55 बजे रायपुर, 07.40 बजे उसलापुर, 09.20 बजे पेंड्रारोड, 10.10 बजे अनूपपुर, 10.55 बजे शहडोल, 13.12 बजे उमरिया और मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए तीसरे दिन 04.30 बजे पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्टेशन पहुंचेगी।

इसी प्रकार गाड़ी संख्या 08529 पंडित दीनदयाल उपाध्याय-विशाखपट्टनम कुम्भ स्पेशल, पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्टेशन से 11, 18 व 25 जनवरी, 08 व 22 फरवरी तथा 01 मार्च 2025 (प्रत्येक शनिवार) को 20.10 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन 08.26 बजे उमरिया, 09.25 बजे शहडोल, 10.05 बजे अनूपपुर, 10.50 बजे पेंड्रारोड, 13.00 बजे उसलापुर, 16.00 बजे रायपुर और मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए तीसरे दिन 03.25 बजे विशाखपट्टनम स्टेशन पहुंचेगी।

इस ट्रेन में 01 एसएलआरडी, 04 सामान्य, 08 शयनयान, 02 एसीश्री इकोनॉमिक, 04 एसी टू तथा 01 जनरेटर कार सहित 20 एलएचबी कोच की सुविधा रहेगी।

08562/08561 विशाखपट्टनम-गोरखपुर-विशाखपट्टनम कुम्भ स्पेशल ट्रेन- गाड़ी संख्या 08562 विशाखपट्टनम-गोरखपुर कुम्भ स्पेशल, विशाखपट्टनम से 05 व 19 जनवरी तथा 16 फरवरी 2025 (रविवार) को 22.20 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन 13.55 बजे रायगढ़, 15.00 बजे चांपा, 16.00 बजे बिलासपुर, 18.00 बजे पेंड्रारोड, 18.45 बजे अनूपपुर, 19.35 बजे शहडोल, 20.42 बजे उमरिया और मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए तीसरे दिन 20.25 बजे गोरखपुर स्टेशन पहुंचेगी।

इसी प्रकार गाड़ी संख्या 08561 गोरखपुर-विशाखपट्टनम कुम्भ स्पेशल, गोरखपुर से 08 व 22 जनवरी तथा 19 फरवरी 2025 (बुधवार) को 14.20 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन 11.45 बजे उमरिया, 13.05 बजे शहडोल, 13.55 बजे अनूपपुर, 14.50 बजे पेंड्रारोड, 17.50 बजे बिलासपुर, 18.50 बजे चांपा, 19.55 बजे रायगढ़ और मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए तीसरे दिन 12.15 बजे विशाखपट्टनम स्टेशन पहुंचेगी।

इस ट्रेन में 01 एसएलआरडी, 04 सामान्य, 08 शयनयान, 02 एसीश्री इकोनॉमिक, 04 एसी टू तथा 01 जनरेटर कार सहित 20 एलएचबी कोच की सुविधा रहेगी।

कृषि विज्ञान केन्द्रों की वार्षिक कार्ययोजना तैयार करने हेतु दो दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न

किसानों की आर्थिक तरक्की के साथी बनें कृषि विज्ञान केन्द्र : डॉ. गिरीश चंदेल

रायपुर (विश्व परिवार)। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने कहा है कि छत्तीसगढ़ में संचालित सभी कृषि विज्ञान केन्द्र किसानों की आर्थिक उन्नति के लिए उन्नत कृषि प्रौद्योगिकी का विकास करें, किसानों को आर्थिक लाभ देने वाली योजनाएं बनाएं और किसानों के आर्थिक विकास में सहभागी बनें। उन्होंने कृषि विज्ञान केन्द्रों के वरिष्ठ वैज्ञानिकों को

ज्यादा से ज्यादा कृषक उत्पादक समूह और महिला स्व-सहायता समूह गठित कर किसानों की आमदनी बढ़ाने वाली गतिविधियां संचालित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केन्द्र इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा किसानों की हित में विकसित नवीन अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी को किसानों के खेतों तक पहुंचाएं तथा इन्हें अपनाने के लिए किसानों को प्रेरित करें। डॉ. चंदेल ने इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद- कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, जबलपुर के संयुक्त तत्वावधान में कृषि विज्ञान केन्द्रों की आगामी वर्ष के लिए वार्षिक कार्ययोजना तैयार करने हेतु आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में यह बात कही। दिनांक 23 एवं 24 दिसम्बर को निदेशालय विस्तार सेवाएं में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित समस्त 27 कृषि विज्ञान केन्द्रों में वर्ष 2025 हेतु वार्षिक कार्ययोजना तैयार की गई। बैठक में कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, जबलपुर के निदेशक डॉ. एस.आर.के. सिंह, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के निदेशक विस्तार डॉ. एस.एस. टुटेजा सहित निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ. राजेन्द्र लाकपाले, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष तथा सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों के प्रमुख एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक उपस्थित थे।

प्रयागराज में महाकुंभ ग्राम- आईआरसीटीसी टेंट सिटी में तीर्थयात्रियों के स्वागत के लिए आईआरसीटीसी तैयार

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम लिमिटेड (आईआरसीटीसी)- भारतीय रेलवे की व्यावसायिक यात्रा, पर्यटन एवं आतिथ्य शाखा तथा अनुसूची 'ए' मिनीरत्न पीएसयू प्रयागराज में महाकुंभ ग्राम-आईआरसीटीसी टेंट सिटी में तीर्थयात्रियों के स्वागत के लिए पूरी तरह तैयार है। नैनी के सेक्टर-25 अरैल रोड पर त्रिवेणी संगम से मात्र 3.5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित कुंभ ग्राम स्नान घाटों और अन्य आकर्षणों तक बेजोड़ पहुंच प्रदान करता है।

कुंभ ग्राम पर्यटकों के लिए विशेष रूप से तैयार की गई अत्याधुनिक आवास सुविधा है, जो सभी आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। टेंट सिटी की त्रिवेणी घाट से निकटता स्नान करने के इच्छुक मेहमानों के लिए एक अतिरिक्त सुविधा है।

सुपर डीलक्स टेंट और विला टेंट में संलग्न बाथरूम, चौबीसों घंटे गर्म और ठंडे पानी की सुविधा, पूरे दिन आतिथ्य टीम की सुविधा, रूम ब्लोअर, बिस्तर लिनन, तौलिए और टॉयलेटरीज़ आदि की सुविधा आकर्षक दरों पर उपलब्ध है, जिसमें सभी खाने पीने का सामान शामिल हैं। विला टेंट के मेहमानों को अलग से बैठने की आरामदायक जगह और टेलीविजन की सुविधा भी मिलेगी।

सीसीटीवी निगरानी मेहमानों की सुरक्षा सुनिश्चित करती है। महाकुंभ ग्राम में प्राथमिक चिकित्सा सुविधाएं और चौबीसों घंटे आपातकालीन सहायता भी उपलब्ध होगी।

IRCTC ने अपनी वेबसाइट www.irctctourism.com/mahakumbhgram पर कुंभ ग्राम टेंट सिटी के लिए बुकिंग पहले ही शुरू कर दी है। IRCTC अपनी टिकटिंग वेबसाइट www.irctc.co.in पर बैनर के साथ-साथ अपने विशाल ग्राहक आधार के लिए पुश नोटिफिकेशन और मेलर्स के माध्यम से महाकुंभ ग्राम-आईआरसीटीसी टेंट सिटी का प्रचार भी कर रहा है। टेंट सिटी का प्रचार पर्यटन मंत्रालय और उत्तर प्रदेश पर्यटन की वेबसाइटों पर किया जाएगा।

महाकुंभ ग्राम की आगे की बुकिंग जल्द ही IRCTC के बुकिंग भागीदारों मेकमाईट्रिप और गोआईबीबो की वेबसाइटों पर शुरू होगी। पूछताछ और बुकिंग के लिए, कृपया IRCTC की ग्राहक सहायता टीम से 8076025236 पर संपर्क करें या mahakumbh@irctc.com पर ईमेल करें।

एनआईटी रायपुर में एनआईटी रायपुर फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप और एसआईडीबीआई, नई दिल्ली के सहयोग से प्रवर्तन 2024 का होगा आयोजन

स्टार्ट अप आईडिया पिच कर आकर्षक फंडिंग पाने का मिलेगा मौका

रायपुर (विश्व परिवार)। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी रायपुर फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप (NITRRFIE) 27 दिसंबर 2024 को स्माल इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट बैंक ऑफ इंडिया (सिडबी), नई दिल्ली के सहयोग से प्रवर्तन 2024 का आयोजन कर रहा है। इस प्रमुख स्टार्टअप आउटरीच इवेंट का उद्देश्य महत्वाकांक्षी उद्यमियों, उद्योग जगत की प्रमुख हस्तियों और निवेशकों को नवाचार और उद्यमशीलता की सफलता को बढ़ावा देने के लिए एक साथ लाना है। यह कार्यक्रम नवोदित उद्यमियों को स्टार्टअप इकोसिस्टम की जानकारी प्राप्त करने, प्रमुख निवेशकों के साथ नेटवर्क बनाने और अपने अभिनव विचारों को प्रस्तुत करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करता है। इस कार्यक्रम में आकर्षक पैनल चर्चाएँ और स्टार्टअप पिचिंग सत्र होंगे, जो प्रतिभागियों को अनुभवी उद्योग पेशेवरों से सीधे सीखने और अपने स्टार्टअप के लिए फंडिंग जुटाने का अवसर प्रदान करेंगे।

इस कार्यक्रम का एक मुख्य आकर्षण वक्ताओं की प्रतिष्ठित लाइनअप है। अराली वेंचर्स के सह-संस्थापक और मेनेजिंग पार्टनर श्री राजीव रघुनंदन वेंचर कैपिटल और स्टार्टअप मेंटरशिप में बहुत अनुभव रखते हैं। राजीव ने कॉर्पोरेट फाइनेंस, बिजनेस कंसल्टिंग और टेक्नोलॉजी में 20 से अधिक वर्ष बिताए हैं। उन्होंने 2018 में अराली वेंचर्स की स्थापना की, जो डीप-टेक और एंटरप्राइज-टेक स्टार्टअप पर ध्यान केंद्रित करता है, और स्टार्टअप को उनके संचालन को कुशलतापूर्वक बढ़ाने और आवश्यक फंडिंग हासिल करने के लिए सक्रिय रूप से सलाह देता है। रणनीति बनाने और उसके निष्पादन में उनका व्यापक नेटवर्क और विशेषज्ञता उन्हें भारत के उद्यमी पारिस्थितिकी तंत्र में एक महत्वपूर्ण योगदानकर्ता बनाती है। एक अन्य प्रमुख वक्ता सुश्री ऋचा बाजपेयी हैं, जो कैंपस फंड की सह-संस्थापक हैं, जो विशेष रूप से छात्र-नेतृत्व वाले स्टार्टअप में निवेश करती है। ऋचा युवा उद्यमियों को स्टार्टअप की प्रतिस्पर्धी दुनिया में सफल होने के लिए आवश्यक संसाधन और सलाह प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाने के लिए प्रसिद्ध हैं। उनके साथ श्री रोहन पिचा भी हैं, जो यूनिकॉर्न इंडिया वेंचर्स के विश्लेषक हैं। वह यूनिकॉर्न इंडिया वेंचर्स में निवेश टीम के साथ काम करते हैं, जहाँ वे मुख्य रूप से डील सोर्सिंग, मौजूदा पोर्टफोलियो कंपनियों के साथ काम करके उन्हें बढ़ने और व्यवसाय विकास समस्याओं से निपटने और दैनिक फंड ऑपरेशन में मदद करते हैं। उनकी फर्म ने फिनटेक, मीडिया और हेल्थकेयर जैसे क्षेत्रों में स्टार्टअप का समर्थन किया है, जिससे उन्हें भारत के स्टार्टअप परिदृश्य को आकार देने में एक प्रभावशाली व्यक्ति के रूप में स्थापित किया है। यह कार्यक्रम स्टार्टअप पिचिंग सत्र में भाग लेने के लिए फंडिंग की तलाश कर रहे स्टार्टअप के लिए भी एक अवसर है, जहाँ वे निवेशकों को अपने विचार प्रस्तुत कर सकते हैं जिससे वे फंड जुटा सके और आकर्षक फंडिंग प्राप्त कर सके। इस इवेंट के पंजीकरण के लिए लिंक- https\Ñ//bit.ly/4003KGY और पिचिंग पंजीकरण के लिए- https\Ñ//bit.ly/49ETwzb है।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर बुधवार 25 दिसंबर 2024

संक्षिप्त समाचार

सीनियर माओवादी कैडर प्रभाकर हुआ गिरफ्तार

कांकेर(विश्व परिवार)। विगत कुछ दिनों से प्रतिबंधित एवं गैर कानूनी सीपीआई माओवादी संगठन के उत्तर बस्तर सब जोनल ब्यूरो के सीनियर माओवादी कैडर प्रभाकर राव की गतिविधि जिला कांकेर क्षेत्र में परिलक्षित होने की जानकारी मिलने पर पुलिस द्वारा उक्त आसूचना पर तस्दीकी की जा रही थी। इस दौरान दिनांक 22.12.2024 को जिला कांकेर के थाना अंतागढ़ क्षेत्रान्तर्गत पुलिस द्वारा की गई नाकाबंदी कार्यवाही में प्रभाकर राव उर्फ बालमूरी नारायण राव को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार माओवादी प्रभाकर राव से लगातार पूछताछ कर अग्रिम कानूनी कार्यवाही की जा रही है। पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज, जगदलपुर सुन्दरराज पी. द्वारा यह बताया गया कि बस्तर संभाग अंतर्गत माओवादियों के विरूद्ध की जा रही प्रभावी कार्यवाही के सिलसिले में वर्ष 2024 में अब तक कुल 884 माओवादी कैडरों की गिरफ्तारी की जाकर उनके ऊपर कानूनी कार्यवाही की जा रही है। प्रभाकर राव उर्फ बालमूरी नारायण राव की गिरफ्तारी नक्सल विरोधी अभियान की दृष्टिकोण से पुलिस बल को प्राप्त एक महत्वपूर्ण सफ्लता है। पुलिस उप महानिरीक्षक कांकेर रेंज कांकेर अमित तुकाराम कांबले के मार्गदर्शन पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कांकेर आई के. ऐलेसेला के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भानुप्रतापपुर, संदीप पटेल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंतागढ़ जयप्रकाश बढ़ई के पर्यवेक्षण में पुलिस थाना अंतागढ़ द्वारा उत्तर बस्तर क्षेत्र की माओवादी संगठन के एक महत्वपूर्ण कैडर की गिरफ्तारी किये जाने से क्षेत्र में नक्सल गतिविधियों पर अंकुश लगाने में उल्लेखनीय बढ़त प्राप्त होगी। प्रभाकर उर्फबालमूरी नारायण राव द्वारा नक्सल संगठन में वर्ष 1984 में पार्टी सदस्य के रूप में भर्ती होकर विगत 40 वर्षों से सक्रिय रहकर कार्य कर रहा था।

ग्राम पंचायत चनवारीडाड में बह रही विकास कार्यों की गंगा

मनेन्द्रगढ(विश्व परिवार)। जिला एमसीबी के जनपद पंचायत मनेंद्रगढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत चनवारीडाड में सरपंच द्वारा कई महत्वपूर्ण विकास कार्य कराए गए हैं, जिनमें सड़क निर्माण, नाली निर्माण और अन्य सार्वजनिक सुविधाओं का सुधार शामिल है। इन कार्यों से ग्रामवासियों को बड़ी राहत मिली है और गांव में समग्र विकास की दिशा में कदम बढ़ाए गए हैं। शासन की योजनाओं का लाभ ग्रामीणों तक पहुँच रहा है, जिससे स्थानीय निवासियों का जीवन स्तर सुधारने में मदद मिल रही है। इस प्रकार के विकास कार्यों से ग्राम पंचायत चनवारीडाड में विकास की एक नई पहचान बन रही है। सालों से अधूरी मांग हुई पूरी लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा किया गया है मलाई भट्ठा में ग्राम पंचायत द्वारा हाल ही में सड़क निर्माण किया गया है। यह निर्माण स्थानीय निवासियों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ है क्योंकि इससे उनके आवागमन में हो रही परेशानी दूर हो गई है। इस सड़क निर्माण से गाँव में आने-जाने की सुविधा बढ़ी है, जिससे ग्रामीणों की जीवनशैली में सुधार हुआ है और वे अब आसानी से अपने दैनिक कार्यों को निपटाने में सक्षम होंगे। नालियों का हुआ निर्माण ?= जल निकासी की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए, ग्राम पंचायत द्वारा नालियों का निर्माण कार्य किया गया है। यह कार्य गांव में पानी की निकासी को बेहतर बनाने के लिए किया गया है, जिससे बारिश के मौसम में पानी का जमाव न हो और ग्रामीणों को जलभराव की समस्या का सामना न करना पड़े। ग्रामीणों ने पंचायत द्वारा कराये गये कार्यों का स्वागत करते हुए कहा कि इससे न केवल उनका जीवन सरल होगा, बल्कि स्वच्छता और स्वास्थ्य में भी सुधार होगा। ग्राम पंचायत चनवारीडाड सरपंच गौरी सिंह ने बताया कि यह निर्माण गांव में इंफ्रास्ट्रक्चर को सुधारने की दिशा में एक कदम है, और भविष्य में ऐसी योजनाओं को बढ़ावा दिया जाएगा। इस निर्माण के तहत मुख्य सड़कों और गलियों में नालियों का निर्माण किया गया है, ताकि पानी का बहाव सही दिशा में हो और कोई अवरोध उत्पन्न न हो। इस कार्य से पंचायत में जल निकासी की समस्या को हल करने में मदद मिलेगी और गांववासियों को एक बेहतर वातावरण मिलेगा।

नक्सलियों ने युवक का अपहरण कर उतारा मौत के घाट

बीजापुर(विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों ने साप्ताहिक बाजार से युवक का अपहरण कर उसकी हत्या कर दी और रेड्डी गांव के पास शव को फेंक दिया. शव के पास से एक पर्चा भी बरामद किया गया है. पर्चे में पुलिस मुखबिरी का आरोप लगाया गया है. इस घटना से इलाके में दहशत का माहौल है. यह मामला गंगालूर थाना क्षेत्र का है.जानकारी के मुताबिक, गंगालूर थाना क्षेत्र स्थित रेड्डी गांव में रविवार को लगे साप्ताहिक बाजार में 5 नक्सली पहुंचे थे. सभी लोगों ने पिस्टल और चाकू की नोक पर युवक मुकेश हेमला का अपहरण कर लिया और उसे अपने साथ जंगल में ले गए और उसे मौत के घाट उतार दिया. युवक का शव रेड्डी गांव के पास मिला है. पुलिस मामले की जांच कर रही।

सचिव सह आबकारी आयुक्त ने ली दंतेवाड़ा, सुकमा बीजापुर के आबकारी विभागों की संयुक्त बैठक

अंतरराज्यीय सीमाओं में मदिरा के अवैध परिवहन के रोकथाम करने, निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति और सुरक्षा व्यवस्थाओं के

दंतेवाड़ा(विश्व परिवार)। आज जिला कार्यालय के सभा कक्ष में सचिव सह आबकारी आयुक्त छत्तीसगढ़ शासन सुश्री आर. शंगीता तथा एमडी श्री श्याम धावड़े द्वारा जिला दंतेवाड़ा, सुकमा, बीजापुर के आबकारी विभागों की संयुक्त बैठक ली गई। जिसमें बीजापुर कलेक्टर श्री संबित मिश्रा, सुकमा कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव, दंतेवाड़ा प्रभारी कलेक्टर श्री जयंत नाहटा,एसपी श्री गौरव राय एवं तीनों जिले के आबकारी विभाग के अधिकारी-कर्मचारी शामिल रहे। बैठक में सचिव सह आबकारी आयुक्त ने तीनों जिलों में शासन के दिशा निर्देशनुरूप मदिरा विपणन के संबंध में दिए गए लक्ष्य, राजस्व संग्रहण में प्रगति, अंतरराज्यीय सीमाओं में मदिरा के अवैध परिवहन के रोकथाम करने, शासकीय मदिरा दुकानों में अहाता निर्माण की स्थिति, राजस्व अर्जन की अद्यतन स्थिति, अवैध शराब विक्रय पर रोक लगाने हेतु किए गए प्रयासों, सुरक्षा व्यवस्था जैसे विभिन्न एजेंडे पर विभागों से जानकारी चाही। बैठक में सचिव सह आयुक्त शंगीता ने कहा कि शासन के एक साल पूरे हो हो गए है और इन महीनों में लगातार विभाग के कामों की समीक्षा की गई। उन्होंने कहा कि इस बैठक की मंशा यह भी है कि फील्ड में तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों से संवाद कर फील्ड पर जो भी कमियां आ रही हों, उनसे अवगत होकर सुधार किया जा सके। बैठक में उन्होंने आगे कहा कि आबकारी एवं पुलिस की टीम आपसी समन्वय के साथ काम करें। मदिरा दुकानों के निकट सुरक्षा और क्षेत्रों में गश्त लगातार होती रहे। इसके अलावा आबकारी विभाग से दुकानों के प्रभारी अधिकारी लगातार निरीक्षण करें और प्रति दिन की बिक्री पर निगरानी रखें। मदिरा दुकानों में दुकानदार लोगों से बेहतर व्यवहार रखें, और इस बात का विशेष ध्यान रखें कि किसी की भी लापरवाही से शासन के राजस्व में नुकसान ना हो। अवैध मदिरा के निर्माण और उसकी बिक्री की रोकथाम के लिए नियमित जांच किया जाए। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती अन्य राज्यों से परिवहित मदिरा की आवाजाही पर निगरानी रखें, तथा जिले की सीमा पर बनी जांच चौकियों का भी रोस्टर अनुसार निरीक्षण सुनिश्चित किया जाए। इसके अलावा उन्होंने कहा कि नियमित रूप से मदिरा दुकानों के आसपास साफ-सफाई की व्यवस्था के लिए संबंधित विभाग कार्य योजना बनाए। चूंकि एक्साइज डिपार्टमेंट राजस्व अर्जित करने वाला शासन का एक महत्वपूर्ण विभाग है शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं यथा शिक्षा, स्वास्थ्य, पीडीएस सेवाएं सहित अन्य नवीन जनहित योजनाओं के संचालन में विभाग की बड़ी भूमिका हैं। इसके लिए जिला एवं पुलिस प्रशासन आपसी समन्वय एवं सतर्कता से तय लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में कार्य करें।

महतारी वंदन योजना के हितग्राहियों का हुआ वृहद सम्मान समारोह

मातृशक्ति महिलाओं को विविध योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही लाभान्वित किया गया

मोहला(विश्व परिवार)। विधानसभा मोहला-मानपुर के स्थानीय मानपुर में महतारी वंदन योजना के हितग्राहियों का वृहद सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में मातृशक्ति महिलाओं को सम्मानित किया गया। समारोह में महतारी वंदन योजना के लाभार्थी महिलाओं ने आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में चलाए जा रहे इस अति महत्वाकांक्षी योजना से उनके जीवन में आए परिवर्तन को मंच के माध्यम से रेखांकित किया। समारोह में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित अन्य योजना सुकन्या समृद्धि योजना की विस्तार से जानकारी दी गई। इसके साथ ही 0 से 6 वर्ष के बच्चों के लिए आधार कार्ड नि:शुल्क बनवाने के लिए कैंप लगाया गया। समारोह में आंगनबाड़ी केन्द्र के बच्चों, किशोरी बालिकाओं के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति की गई। महतारी वंदन योजना के हितग्राहियों को प्रतिमाह मिलने वाली राशि के उपयोग के संबंध में 10 हितग्राहियों ने अपना अनुभव साझा किया। महिलाओं ने बताया कि 1000 रूपये राशि का उपयोग वे किस तरह से कर रही हैं। इस दौरान गर्भवतियों माताओं और 20 हितग्राहियों को उत्कृष्ट कार्य करने हेतु सम्मानित किया गया। और ममता किट का भी वितरण किया गया। मुख्यमंत्री की पाती मिलने पर मानपुर वनांचल क्षेत्र की महिला श्रीमती सीता बाई ने कहा मुख्यमंत्री ने महिलाओं को मान सम्मान से जीने का आसरा दिया है। मुख्यमंत्री की पाती मिलने पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की नेतृत्व वाली सरकार महिलाओं की मान सम्मान और उनके भविष्य की चिंता करने वाली सरकार है। महिला ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा दिए जाने वाला प्रतिमाह 1000 रूपये उनके लिए आत्मगौरव के साथ जीने का जरिया साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि योजना से मिलने वाली राशि से वे चिंता मुक्त होकर अपनी जरूरत को पूरा कर पा रही हैं। इसी प्रकार महतारी वंदन योजना का लाभ मिलने पर दूरस्थ अंचल की रहने वाली प्रेमबाई सलामे ने कहा कि महिलाएं आज आत्मनिर्भरता के साथ समाज की मुख्य धारा में जोड़ने की ओर अग्रसर है।

सुशासन का एक साल: आंगनबाड़ी केंद्रों में विविध आयोजन

कोंडागांव(विश्व परिवार)। राज्य सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 9 से 20 दिसंबर के मध्य 1830 आंगनबाड़ी केन्द्रों में कुर्सी दौड़ एवं अन्य खेलों, प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें स्थानीय महिलाओं और महतारी वंदन योजना के हितग्राहियों ने बड़ी संख्या में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस आयोजन में स्थानीय जनप्रतिधि, नागरिक भी उपस्थित हुए। इसके अतिरिक्त विभागीय योजनाओं प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, घरेलु हिंसा से महिलाओं के संरक्षण हेतु कानून एवं प्रावधान, सखी वन स्टॉप सेंटर तथा कार्य स्थल पर महिलाओं के लैंगिक उत्पीड़न से संक्षण हेतु प्रावधानों से भी जनसामान्य को अवगत कराया गया। सेक्टर स्तरीय आयोजनों में महतारी वंदन योजना के हितग्राहियों को सम्मानित किया गया।

कलेक्टर जनदर्शन में सुनी गई आम लोगों की समस्याएं

बिलासपुर(विश्व परिवार)। जिला कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में आज बड़ी संख्या में दूर-दराज से पहुंचे लोगों की समस्याएं सुनी गई। कलेक्टर के निर्देश पर संयुक्त कलेक्टर एसएस दुबे ने फरियाद सुनी और उनके निराकरण के निर्देश दिए। लिदरी ग्राम के दिव्यांग बुधुराम बंजारे ने निजी बस संचालकों के खिलाफ शिकायत की। उन्होंने शासन द्वारा जारी नि:शुल्क बस यात्रा पास का पालन कराये जाने की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा। उन्होंने बताया कि वे स्वयं लोकोमोटर दिव्यांगता से ग्रसित हैं। आरटीओ द्वारा उन्हें नि:शुल्क यात्रा के लिए पास भी जारी किया गया है। लेकिन निजी बस संचालक इसे मान्यता नहीं देते। दुबे ने आरटीओ को उनका आवेदन भेजते हुए आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। तखतपुर के आदिवासी सेवा सहकारी समिति जूनापारा के प्रबंधक के विरूद्ध हेराफेरी की शिकायत करते हुए कार्रवाई की मांग की गई। ग्राम पाली के आदिवासी किसान मोतीलाल ने ज्ञापन में बताया कि जूनापारा में उनकी कृषि भूमि है। मेरी भूमि का ऑपरेटर पंजीयन कराकर उसमें धान बेच रहा है। इसकी जानकारी मुझे नहीं है। खाता भी किसी दूसरे का दर्ज करा रखा है। संयुक्त कलेक्टर ने एसडीएम तखतपुर को कार्रवाई के निर्देश दिए। जनदर्शन में नांगा बैगा जनशक्ति संगठन ने भी ज्ञापन सौंपा। उन्होंने पीव्हीटीजी वर्ग के बारहवीं पास 9 युवक एवं युवतियों की सूची सौंपकर उन्हें तृतीय एवं चतुर्थ वर्ग में सीधी नियुक्ति दिए जाने की मांग की। दुबे ने आवश्यक कार्रवाई के लिए उनका आवेदन सहायक आयुक्त आदिवासी विकास को सौंपकर कार्रवाई के निर्देश दिए।

विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के शौर्य संचलन में उमड़ा जन सैलाब

बलरामपुर(विश्व परिवार)। रामानुजगंज विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के द्वारा के द्वारा नगर में शौर्य संचलन का बृहद आयोजन अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक सतानंद जी महाराज विश्व हिंदू परिषद के प्रांतीय कार्यकारी अध्यक्ष चंद्रशेखर वर्मा के विशेष उपस्थिति में आयोजित किया गया। नगर में पहली बार आयोजित करें बजरंग दल के शौर्य संचलन कार्यक्रम को लेकर विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के लोगों में उत्साह देखते बन रहा था। बड़ी संख्या में नगरवासी भी आयोजन में सम्मिलित हुए। मां महामाया मंदिर परिसर से शौर्य संचलन प्रारंभ हुआ जो नगर के प्रमुख चौक चौराहे होते गांधी मैदान में समाप्त हुआ। गांधी मैदान में बौद्धिक को संबोधित करते हुए चंद्रशेखर वर्मा ने कहा कि हिंदू समाज विश्व का कल्याण हो,प्राणियों में सद्भावना हो,सभी सुखी रहे, सभी स्वस्थ हो की भावना से कार्य करता है। आज सनातन धर्म को लेकर अनर्गल प्रलाप लोगों के द्वारा किया जा रहा है हम सनातनियों को एकजुट होने की आवश्यकता है। अखंड भारत से टूट कर कई देश बने वे देश सिर्फ इसलिए बने कि वह हिंदू अल्पसंख्यक में आए। हिंदू समाज को बांटने का षड्यंत्र हो रहा है धर्मांतरण तेजी से हो रहा है। इस सब को रोकने के लिए हम सबको एकजुट होना होगा । विश्व हिंदू परिषद विभाग समरसता प्रमुख ललन कुशवाहा,विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा, बजरंग दल के जिला संयोजक जस्सू केसरी के नेतृत्व में विगत एक माह से शौर्य संचलन को लेकर व्यापक की समय तैयारी की जारी थी। इस दौरान नगर के प्रतिष्ठ नागरिक सुभाष जायसवाल, कन्हैया लाल, अग्रवाल नगर पंचायत अध्यक्ष रमन अग्रवाल, शर्मिला गुप्ता, शैलेश गुप्ता, गायत्री परिवार के एसपी निगम,मनीष सिंह,शैलेन्द्र तिवारी, आकाश तिवारीबजरंग दल के सुशील मेहरा, नयन गुप्ता, नेहाल कश्यप, सूरज कश्यप, रंजन शर्मा, रवि शंकर सूरज पासवान, अंशुल केसरी, निखिल गुप्ता, आशीष चौबे सहित बड़ी संख्या में बजरंग दल एवं विश्व हिंदू परिषद के लोग उपस्थित रहे। श्रीकोट राम भक्तों की टोली रही शौर्य संचलन में आकर्षण का केंद्र.....शौर्य संचलन श्रीकोट से आए सैकड़ो राम भक्तों की टोली आकर्षण का केंद्र रहा।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का कार्य किया जा रहा है : वनमंत्री कश्यप

जिले के 27 हजार से अधिक महिलाओं को किया जा रहा है महतारी वंदन योजना से लाभान्वित

नारायणपुर(विश्व परिवार)। प्रदेश मे महिलाओ के आर्थिक स्वावलंबन तथा उनके स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर मे सतत सुधार तथा परिवार मे उनकी निर्णायक भूमिका सुदृढ़ करने हेतु, समाज मे महिलाओं के प्रति भेदभाव, असमानता एवं जागरूकता की कमी को दूर करने, स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर मे सुधार करने तथा आर्थिक स्वावलंबन एवं सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मंत्री परिषद द्वारा सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में महतारी वंदन योजना लागू किए जाने का निर्णय लिया गया, जिसके अंतर्गत पात्र विवाहित महिलाओ को प्रतिमाह 1000 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है, जिसके तहत् राज्य सरकार के 1 वर्ष पूर्ण होने की उपलक्ष्य में महतारी वंदन सम्मेलन का आयोजन जिले के ऑडिटोरियम में वन एवं जलवायु परिवर्तन, जल संसाधन, कौशल विकास, सहकारिता और संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप की अध्यक्षता में आयोजित की गई। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार द्वारा प्रदेश के लगभग 70 लाख महिलाओं को इसका लाभ दिया जा रहा है, जिसमें जिले के 27 हजार 597 महिलाओं को महतारी वंदन योजना से प्रति माह 1 हजार रुपए उनके खाते में अंतरण किया जा रहा है। इसी प्रकार देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी के तहत प्रधानमंत्री आवास, नल-जल योजना, तेंदूपत्ता योजना और आयुष्मान कार्ड हर व्यक्ति का बनाया जा रहा है, जिसका लाभ सभी हितग्राहियों को दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के माता एवं बहनों को उनके आत्मनिर्भर स्वावलंबी और आर्थिक उन्नति की दिशा में कार्य करने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेक इरादा और दूर दृष्टि के कारण हर गांव में हर घर में शौचालय का निर्माण हो सका है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सरकार ने राज्य के 18 लाख हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास दिए जाने का निर्णय लिया गया है, यह कार्य शीघ्र ही पूर्ण किया जाएगा। प्रदेश सरकार द्वारा कई महत्वपूर्ण योजनाएं लोगों के लिए चलाए जा रहे हैं, एक ही वर्ष में आधे से अधिक कार्य पूर्ण हो गया हैं। इसी प्रकार माता एवं बहनों को लखपति दीदी बनाने और ड्रोन दीदी बनने का सपना भी सरकार शीघ्र ही साकार करने जा रहा है। वनमंत्री केदार कश्यप ने कहा कि आजादी के 75 वर्षों के बाद भी योजनाओं का लाभ गरीबों तथा वंचितों को नहीं मिल पा रहा था, तब हमारी सरकार बनते ही योजनाओं का लाभ सभी पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाया जा रहा है। जनकल्याणकारी योजनाओं को गांव के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाई जा रही है, जिससे प्रदेश के शतप्रतिशत हितग्रहियों को इसका लाभ मिल रहा है।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

खेल-व्यापार

रायपुर बुधवार 25 दिसंबर 2024

व्यापार समाचार

सेनहाइज़र ने लॉन्च किया प्रोफ़ाइल वायरलेस : क्रिएटर का ऑडियो मल्टीटूल

रायपुर : कंटेंट बनाते समय, तैयारी और लचीलेपन के साथ साथ एक बहुमुखी वायरलेस ऑडियो सिस्टम भी ज़रूरी है जो ऑडियो क्वालिटी से समझौता किए बिना आसानी से और तेज़ी से ध्वनि कैप्चर करने में आपकी मदद करता है। क्रिएटर्स और वीडियोग्राफ़र्स के लिए, सेनहाइज़र ने प्रोफ़ाइल वायरलेस लॉन्च किया, जोकि दो-चैनल, 2.4 गीगाहट्र्ज वायरलेस माइक्रोफ़ोन सिस्टम है जो मोबाइल फ़ोन, कैमरा या कंप्यूटर से कनेक्ट होता है, और इसे क्लिप-ऑन माइक, हैंडहेल्ड माइक या टेबल-टॉप माइक्रोफ़ोन के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है - जो भी स्थिति की मांग हो। प्रोफ़ाइल वायरलेस में अभूतपूर्व आसानी से उपयोग के साथ उच्च-गुणवत्ता वाले ऑडियो को कैप्चर करने के लिए सब कुछ शामिल है। इसमें एक मल्टीफ़ंक्शनल चार्जिंग बार है जो सिस्टम के प्रमुख कंपोनेंट्स को संग्रहीत और चार्ज करता है और हैंडहेल्ड या डेस्कटॉप माइक के रूप में भी काम करता है। चार्जिंग बार सुरक्षित रूप से OLED टच डिस्प्ले के साथ दो-चैनल मिनी-रिसीवर, दो प्री-पेयर्ड क्लिप-ऑन माइक्रोफ़ोन रखता है जो ऑटोमेटिकली रिसीवर से कनेक्ट होते हैं, नाजुक कपड़ों से जुड़े माइक्रोफोन को संलग्न करने के लिए चुंबकीय क्लिप्स होते हैं, और रिसीवर को मोबाइल फोन या कैमरे के कोल्ड शू माउंट से जोड़ने के लिए एडाप्टर्स होते हैं। प्रोडक्ट्स के बारे में बात करते हुए, सेनहाइज़र इंडिया में कंट्री मैनेजर और डायरेक्टर-सेल्स प्रो ऑडियो, श्री विपिन पुंगलिया ने कहा, आज के डिजिटल मीडिया के युग में, भारत में लाखों कंटेंट क्रिएटर और सक्रिय कंटेंट उपभोक्ता हैं। सेनहाइज़र का बहुमुखी मल्टी-टूल सभी स्तरों के क्रिएटर्स को सशक्त बनाने, उनके वर्कफ़्लो को सरल बनाने और उनकी ऑडियो गुणवत्ता को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

बजाज फिन्सर्व एएमसी पेश करते हैं 'बजाज फ़िन्सर्व इएलएसएस टैक्स सेवर फंड'

रायपुर: बजाज फ़िन्सर्व एएमसी 'बजाज ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड', 3 वर्षीय वैधानिक लॉक इन अवधि और कर लाभों के साथ इक्विटी से जुड़ी एक ओपन एंडेड योजना, की शुरुआत की घोषणा करते हैं। यह फंड 24 दिसम्बर 2024 को सदस्यता के लिए खुल जाएगा और 22 जनवरी 2025 को यह बंद हो जाएगा। यह फंड ईक्विटी में निवेश के माध्यम से दीर्घावधि में कर लाभ और पूँजी निर्माण के दोहरे लाभ का लक्ष्य रखता है। यह योजना उन निवेशकों के लिए लाभप्रद है जो दीर्घावधि में महत्वपूर्ण पूँजी लाभ का लक्ष्य रखते हैं और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80 सी के अंतर्गत कर लाभ प्राप्त करते हुए इक्विटी और इक्विटी से संबंधित साधनों में निवेश करना चाहते हैं। यह योजना बीएसई 500 टोटल रिटर्न इंडेक्स (टीआरआई) के समक्ष बेंचमार्क की गई है। धारा 80 सी के अंतर्गत उपलब्ध सभी कर-बचत साधनों के बीच अपनी 3 वर्षीय लॉक इन अवधि के साथ ईएलएसएस का लॉक इन समय सबसे कम है। इसकी तुलना में पीपीएफ़, एनएससी, या कर-बचत करने वाले बैंक एफ्डीकी लॉक इन अवधि 5 ङ्क 15 वर्ष होती है। इस तरह इस योजना के दीर्घावधि में होने वाले दोहरे लाभ ङ्क कर बचत और महत्वपूर्ण पूँजी निर्माण इस योजना को ऐसे दीर्घावधि निवेशकों के लिए उचित बनाते हैं जो इक्विटी से पूँजी निर्माण करना चाहते हैं। साथ ही, व्यवस्थित निवेश योजना (एसआईपी) के माध्यम से किफ़ायती और अनुशासित किस्तें चुकाने की सुविधा ईएलएसएस को वेतनभोगी लोगों और प्रथम बार निवेश करने वालों के लिए एक आकर्षक चुनाव बनाती है।

एचडीएफसी बैंक का हॉलिस्टिक रूरल डेवलपमेंट प्रोग्राम बेमेतरा के 12 गांवों में ग्रामीणों को बना रहा सशक्त

बेमेतरा: एचडीएफ़सी बैंक ने अपनी सीएसआर पहल परिवर्तन के माध्यम से छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में बदलाव के लिए होलिस्टिक रूरल डेवलपमेंट प्रोग्राम (एचआरडीपी) के लिए सोशल डेवलपमेंट ओर्गेनाईजेशन, समर्थ चैरिटेबल ट्रस्ट के साथ भागीदारी की है। बेमेतरा जिले के मरतारा गांव के शासकीय माध्यमिक विद्यालय में आयोजित एक हैंडओवर सेरेमनी के साथ यह योजना पूरी हुई। इस कार्यक्रम ने क्षेत्र में सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए किए गए प्रयासों को पूरा होते हुए दिखाया। 2022 में शुरू की गई एचआरडीपी पहल से 12 गांवों - अटरिया, बंशापुर, बिलाई, घानाडीह, घाटोली, झालम, झांझाडीह, मरतारा, मोतीपुर, नवलपुर, पेंड्रीतराई और रामपुर को लाभ मिला है, जिससे 3,000 से ज्यादा किसानों का जीवन बेहतर हुआ है। कार्यक्रम में 'परिवर्तन' के प्रमुख स्तंभ जैसे रोज़गार बढ़ाना, शिक्षा, कौशल विकास, रूरल इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वास्थ्य, स्वच्छता और वित्तीय साक्षरता पर ध्यान केंद्रित किया गया। किसानों ने कोदो की खेती, ट्रेलिस फार्मिंग, रसायन मुक्त सब्जी की खेती, प्याज की खेती, किचन गार्डनिंग और पपीते की खेती जैसी बेहतर खेती के तरीकों को अपनाया, जिससे उन्हें प्रोडक्टिविटी और आय बढ़ाने में मदद मिली।

समुदाय की महिलाओं को बकरी पालन, मुर्गी पालन, मशरूम की खेती, तथा उपकरण एवं बीज बैंक जैसी पहलों के माध्यम से भी लाभ मिला, जिससे उन्हें आय के नए स्रोत प्राप्त हुए।

एजुकेशनल सेक्टर में सुधार देखने को मिला, स्कूलों में स्मार्ट क्लास, साइंस लैब , लाइब्रेरीज और साफ़ पीने का पानी जैसी कई सुविधाएँ स्थापित की गईं, जिससे छात्रों के लिए सीखने का माहौल बेहतर हुआ। कार्यक्रम में सोलर एनर्जी से चलने वाली स्ट्रीट लाइटें और सोलर ड्रिंकिंग वाटर भी स्थापित किये गए, जिससे गाँवों में महत्वपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर की ज़रूरतें पूरी हुईं।

आरबीआई से पूरे साल नहीं मिला सस्ते लोन का तोहफा

अब 2025 पर सभी की नजरें

मुंबई(एजेंसी)। आसमान छूती महंगाई ने इस पूरे साल आरबीआई को सस्ते लोन का तोहफा देने से रोके रखा। इसके चलते आरबीआई के पूर्व गवर्नर शक्तिकान्त दास ने 2024 में ब्याज दरों में कटौती के दबाव को नजरअंदाज किया और अपना मुख्य ध्यान महंगाई पर केंद्रित रखा। हालांकि, अब नए मुखिया की अगुवाई में केंद्रीय बैंक को जल्द यह फैसला लेना होगा कि क्या वह आर्थिक वृद्धि की कीमत पर महंगाई को तरजीह देना जारी रख सकता है। 2024 के अंत में दास का दूसरा कार्यकाल पूरा होने के बाद सरकार ने राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा को नया गवर्नर नियुक्त किया है। अब सभी की नजरें आरबआई के मौजूदा गवर्नर पर है कि वो सस्ते लोन का तोहफा दें और ईएमआई को बोझ कम करने में मदद करें। दास के नेतृत्व में आरबीआई ने लगभग 2 साल तक प्रमुख नीतिगत दर रेपो को यथावत रखा। हालांकि, चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में आर्थिक वृद्धि दर सात तिमाहियों के निचले स्तर पर आ गई है। नए गवर्नर के कार्यभार संभालने तथा ब्याज दरों में कटौती के पक्ष में ब्याज दर निर्धारण समिति (एमपीसी) में बढ़ती असहमति के कारण अब सभी की निगाहें फरवरी में आरबीआई की मौद्रिक समीक्षा बैठक पर है। सभी इस बात का इंतजार कर रहे हैं कि फरवरी की बैठक में एमपीसी का क्या रुख रहता है। इसी महीने उनकी नियुक्ति के बाद कुछ विश्लेषकों का मानना था कि मल्होत्रा के आने से फरवरी में ब्याज दरों में कटौती की संभावना मजबूत हुई है, लेकिन कुछ घटनाएं, विशेषकर अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा 2025 में ब्याज दर में कम कटौती का संकेत दिए जाने, रुपये पर इसके असर के बाद कुछ लोगों ने यह सवाल उठाना शुरू कर दिया है कि क्या यह ब्याज दर में कटौती के लिए उपयुक्त समय है। कुछ पर्यवेक्षक यह भी सवाल उठा रहे हैं कि क्या 0.50 प्रतिशत की हल्की ब्याज दर कटौती - जैसा कि मुद्रास्फीति अनुमानों को देखते हुए व्यापक रूप से अपेक्षित है - आर्थिक गतिविधियों के लिए किसी भी तरह से उपयोगी होगी। एक नौकरशाह के रूप में लंबे करियर के बाद केंद्रीय बैंक में शामिल हुए दास ने कहा था कि उन्होंने उन प्रावधानों के अनुसार काम किया, जो वृद्धि के प्रति सजग रहते हुए मुद्रास्फीति पर ध्यान केंद्रित करते हैं। छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति ने अक्टूबर, 2024 में सर्वसम्मति से नीतिगत रुख को बदलकर 'तटस्थ' करने का फैसला किया था।

बॉक्सिंग-डे टेस्ट से पहले अभ्यास पिचों पर विवाद, भारत ने उठाए सवाल

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25

नईदिल्ली(एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम और ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के बीच 26 दिसंबर से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का चौथा यानी बॉक्सिंग-डे टेस्ट मेलर्बन क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर खेला जाएगा।इससे पहले ही इसकी अभ्यास पिचों को लेकर विवाद शुरू हो गया है। दरअसल, भारतीय टीम और मेजबान ऑस्ट्रेलिया टीम को उपलब्ध कराई गई अभ्यास पिचों में काफी अंतर नजर आया है।इसको लेकर भारतीय टीम प्रबंधन ने नाराजगी जताते हुए पिचों की गुणवत्ता पर सवाल उठाया है। भारतीय टीम को दी गई पिचों में न तो उछाल है और न ही तेजी है। जबकि, ऑस्ट्रेलिया को दी गई पिचों में अधिक उछाल के साथ तेजी है और चौथे टेस्ट के लिए इस्तेमाल होने वाली पिच के समान है।इन पिचों पर अभ्यास के दौरान केएल राहुल की उंगली में चोट लगी है और भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को उछाल की कमी के कारण घुटने में चोट लगी थी।इस भेदभाव पर भारतीय टीम ने नाखुशी जताई है। इस पूरे मामले पर एमसीजी के पिच क्यूरेटर मैट पेज ने स्पष्टीकरण दिया है। उन्होंने कहा, हमें भारतीय टीम का कार्यक्रम पहले ही पता चल गया था, लेकिन हम आम तौर पर मैच से 3 दिन पहले मैच आधिरत पिच उपलब्ध कराते हैं।

जीएसटी चोरी करने वालों की अब खैर नहीं, सरकार ने शुरू की 'ट्रैक एंड ट्रेस' ट्रैकिंग सिस्टम प्रणाली

मुंबई(एजेंसी)। जीएसटी चोरी करने वाले सावधान हो जाएं। सरकार अब टैक्स चोरी करने वाले को बक्सने के मूड में नहीं है। सरकार ने टैक्स चोरी रोकने के लिए 'ट्रैक एंड ट्रेस' ट्रैकिंग सिस्टम शुरू करने का फैसला किया है। आपको बता दें कि 53वीं जीएसटी परिषद की बैठक में कर चोरी रोकने के लिए 'ट्रैक एंड ट्रेस' प्रणाली को लागू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इसके तहत वस्तुओं या पैकेट पर एक विशिष्ट चिह्न लगाया जाएगा। इससे सप्लाई चेन में उनको ट्रैक करना आसान होगा। ट्रैक करने से कारोबारियों के लिए टैक्स चोरी करना संभव नहीं होगा। इस तरह सामानों की ट्रैकिंग की जाएगी वित्त मंत्रालय ने यहां परिषद की 55वीं बैठक में लिए गए निर्णयों की के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि यह प्रणाली विशिष्ट पहचान चिह्न पर आधारित होगी, जिसे उक्त वस्तुओं या उनके पैकेट पर चिपकाया जाएगा। इससे ऐसी प्रणाली विकसित करने के लिए कानूनी ढांचा उपलब्ध होगा और आपूर्ति श्रृंखला में निर्दिष्ट वस्तुओं का पता लगाने के लिए तंत्र के कार्यान्वयन में मदद मिलेगी। इसमें कहा गया है कि यह स्पष्ट किया जाता है कि अपंजीकृत प्राप्तकर्ताओं को ऑनलाइन मनी गेमिंग, ओआईडीएआर सेवाओं आदि जैसी 'ऑनलाइन सेवाओं' की आपूर्ति के संबंध में, आपूर्तिकर्ता को कर चालान पर अपंजीकृत प्राप्तकर्ता के राज्य का नाम अनिवार्य रूप से दर्ज करना आवश्यक है और प्राप्तकर्ता के राज्य का ऐसा नाम आईजीएसटी अधिनियम, 2017 की धारा 12(2)(बी) के प्रयोजन के लिए प्राप्तकर्ता के रिकॉर्ड में दर्ज पता माना जाएगा।

सैम अयूब ने दक्षिण अफ्रीका में लगाया दूसरा वनडे शतक, कोहली की सूची में हुए शामिल

नईदिल्ली(एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम को उसकी धरती पर वनडे सीरीज में क्लीन स्वीप किया और इतिहास में ऐसा करने वाली पहली टीम बनी।यह जीत मुख्य रूप से सैम अयूब के शानदार प्रदर्शन की वजह से मिली, जिन्होंने जोहान्सबर्ग में हुए तीसरे वनडे में शतक बनाया।अयूब ने 94 गेंदों पर 13 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 101 रन की पारी खेली।आइए उनके द्वारा बनाए रिकॉर्ड्स के बारे में जानते हैं। तीसरे वनडे में अयूब का शतक इस सीरीज का उनका दूसरा शतक था।इसके साथ ही वह दक्षिण अफ्रीका में द्विपक्षीय वनडे सीरीज में एक से अधिक शतक लगाने वाले मेहमान बल्लेबाजों में शामिल हो गए। इस सूची में डेविड वार्नर, फखर जमान, जो रूट, केविन पीटरसन और विराट कोहली जैसे महान क्रिकेटर शामिल हैं।जोहान्सबर्ग में वनडे शतक लगाने वाले अन्य एशियाई बल्लेबाज शिखर धवन, फखर जमान, सौरव गांगुली, सचिन तेंदुलकर और कुमार संगकारा हैं। पहली पारी में पाकिस्तान ने निर्धारित 47 ओवरों में 308/9 का विशाल स्कोर बनाया। यह मुख्य रूप से अयूब की शानदार पारी की वजह से संभव हुआ।उन्होंने बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान का अच्छा साथ मिलकर क्रमश: 114 और 93 रन की साझेदारी की।बाबर ने 52 रन बनाए, जबकि कप्तान रिजवान ने 53 रन की पारी खेली।दक्षिण अफ्रीका से केशव महाराज ने 3 और मार्को येंसन ने 2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए मेजबान टीम ने 80 के स्कोर पर अपने 3 विकेट गंवाए।मध्यक्रम में हेनरिक क्लासेन के 43 गेंदों पर 81 रन के बावजूद प्रोटियाज टीम 42 ओवरों में 271 रन ही बना सकी। आखिरकार पाकिस्तान की टीम ने 36 रनों से जीत (डीएलएस नियम की बदौलत) दर्ज की।पाकिस्तान से सुफियान मुकीम ने 4 विकेट लिए, जबकि शाहीन अफरीदी और नसीम शाह ने 2-2 विकेट लिए। अयूब ने इस वनडे सीरीज में 3 मैचों में 78.33 की औसत और 96.31 की स्ट्राइक रेट के साथ 235 रन बनाए। उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज भी चुना गया।

एयरटेल ने अक्टूबर 2024 में मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में सबसे अधिक वायरलेस ग्राहक जोड़े: ट्राई डेटा

नईदिल्ली। भारत के अग्रणी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं में से एक, भारती एयरटेल (एयरटेल) ने अक्टूबर 2024 में मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ सर्कल में सबसे अधिक वायरलेस ग्राहक जोड़े। टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा जारी किए गए नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, एयरटेल ने इस क्षेत्र में 214,381 वायरलेस सब्सक्राइबर जोड़े, जिससे इसके कुल सब्सक्राइबर की संख्या 16,408,516 हो गई है। जहां मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ सर्कल में एयरटेल अधिकतम सब्सक्राइबर जोड़ने वाला प्रमुख ऑपरेटर बना, वहीं इसके बाद सरकार द्वारा संचालित बीएसएनएल ने 32,303 सब्सक्राइबर जोड़े। अन्य निजी ऑपरेटरों जैसे वोडाफोन-आइडिया और रिलायंस जियो ने इसी अवधि में क्रमश: 347,436 और 721,481 वायरलेस सब्सक्राइबर गंवाए। पूरे देश में एयरटेल ने अक्टूबर 2024 में सभी टेलीकॉम सर्कल में कुल 19,28,263 वायरलेस सब्सक्राइबर जोड़े। इसके साथ ही, इसके कुल वायरलेस सब्सक्राइबर की संख्या 31 अक्टूबर 2024 तक 385,410,746 हो गई। यह वृद्धि एयरटेल की ग्राहक अधिग्रहण और बाजार विस्तार में निरंतर बढ़त को दर्शाती है। ट्राई रिपोर्ट के अनुसार एयरटेल के मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ सर्कल में 99.42 प्रतिशत के उच्चतम विजिटर लोकेशन रजिस्टर (वीएलआर) को भी दर्शाती है, जबकि इसके कुल वीएलआर प्रतिशत 99.48 प्रतिशत रहा, जो टेलीकॉम उद्योग में सबसे अधिक है। ये आँकड़े एयरटेल के उत्कृष्ट नेटवर्क और विश्वसनीयता को प्रमाणित करते हैं, जिससे यह एक विश्वसनीय टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर के रूप में अपनी स्थिति और सुदृढ़ करता है।

फेविकोल के देशव्यापी श्रमदान दिवस ने 1500 से अधिक शहरों में 30,000 से अधिक लकड़ी का काम करने वाले कारीगरों को किया एकजुट, लोगों के जीवन में बदलाव लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम

रायपुर। पिडिलाइट इंडस्ट्रीज के सर्वाधिक लोकप्रिय और देश के अग्रणी एडहेसिव ब्रांड फेविकोल ने 20 दिसंबर 2024 को देशभर में 1500 शहरों में लकड़ी का काम करने वाले 30,000 से अधिक कारीगरों के लिए एक अनूठी देशव्यापी सामुदायिक पहल का आयोजन किया। फेविकोल ने लकड़ी का काम करने वालों और ठेकेदारों को एक साथ लाकर अपने वार्षिक श्रमदान दिवस पहल का सफ्लतापूर्वक आयोजन किया। इन कारीगरों और ठेकेदारों ने 800 गैर सरकारी संगठनों, लाभार्थी स्कूलों, अस्पतालों और वंचित बच्चों के संस्थानों के लिए फर्नीचर की मरम्मत और नवीनीकरण के लिए एक दिन का निशुल्क श्रमदान किया। फेविकोल चैंपियंस क्लब (एफ्सीसी) पिडिलाइट इंडस्ट्रीज की एक पहल है, जो लकड़ी का काम करने वालों और उनके परिवारों के लिए कौशल बढ़ाने और सामुदायिक जुड़ाव को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण प्लेटफॉर्म है। श्रमदान दिवस जैसी पहलों के माध्यम से फेविकोल चैंपियंस क्लब वंचित संस्थानों के लिए फर्नीचर की मरम्मत और नवीनीकरण करके देश भर के बच्चों पर सकारात्मक प्रभाव डालता है। इस दौरान पिडिलाइट की ओर से आवश्यक उपकरण और सामग्री प्रदान की जाती है। इसके अलावा, फेविकोल चैंपियंस क्लब प्रशिक्षण कार्यशालाएँ, आत्म-विकास कार्यक्रम, चिकित्सा शिविर और स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण और विश्वकर्मा पूजा जैसे त्योहार जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित करता है।

यह बाल मेला और छात्रवृत्ति जैसी गतिविधियों के साथ परिवारों को सपोर्ट करता है, और इस तरह समग्र विकास और सामुदायिक कल्याण को बढ़ावा देता है।

इस अवसर पर टिप्पणी करते हुए, पिडिलाइट इंडस्ट्रीज़ के एक प्रवक्ता ने कहा, ''श्रमदान दिवस हमारे लकड़ी के काम करने वाले समुदाय की अविश्वसनीय उदारता और भावना का उदाहरण है। लकड़ी का काम करने वाले हजारों कारीगरों और ठेकेदारों को एक साथ आते देखना बेहद प्रेरणादायक है, जो वंचित बच्चों के जीवन में सकारात्मक प्रभाव पैदा करने के लिए अपना समय और कौशल समर्पित करते हैं।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड, राजेन्द्र पार्क चौक, दुर्ग (छ.ग.)
दूरभाष क्र. 0778-2323633, E-mail: eedurg-phe-cg@nic.in

ई- प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना (तृतीय आमंत्रण)
(स्वयं के जोखिम एवं व्यय पर)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से लोक निर्माण विभाग छ.ग. शासन में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत 'डी एवं उच्च' श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से प्रपत्र 'ए' में प्रतिशत दर पर दुर्ग जिले के विकासखण्ड धमधा के निम्नलिखित ग्राम में जल जीवन मिशन अंतर्गत मल्टी रेट्रोफिटिंग योजनांतर्गत विभिन्न कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	नि.सू.क्र./ दिनांक	सिस्टम क्रमांक	विकास खंड	ग्राम का नाम	अनुमानित लागत (रु. लाख में)
1.	08/20.12.2024	162699	धमधा	पेण्ड्री (रुहा), नवागांव (साल्हे)	47.55

नोट:- उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई- प्रोक्योरमेंट वेबपोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in दिनांक 27.12.2024 से देखे जा सकते हैं तथा बिड सबमिशन की अंतिम तिथि दिनांक 08.01.2025 है.

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड
दुर्ग (छ.ग.)

G-242504784/2

25 रजत जयंती वर्ष छत्तीसगढ़
सुशासन का 1 साल छत्तीसगढ़ हुआ खुशहाल
छत्तीसगढ़ शासन
सुशासन दिवस
छत्तीसगढ़ राज्य निर्माता भारत रत्न
श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी
को कोटि-कोटि नमन
श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री
श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़
हमने बनाया है, हम ही सँवारेंगे
ChhattisgarhCMO
DPRChhattisgarh
www.dprcg.gov.in
हमसे जुड़ने के लिए
QR स्कैन करें
SAMVAD- 42538/ 86